संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 350
पृष्ठ 8
शनिवार
12 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- त्योहारों में घर आए मेहमान...

विचार- सिमोन द बुवा के देश में नारी...

खेल- शेफ़ाली-दीप्ति के तूफान से...

मोदी ने 9/11 हमले के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि, कहा-

आतंकवाद के खिलाफ भारत का संकल्प अडिग

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 को हुए आतंकवादी हमलों की 25वीं बरसी पर शुक्रवार को पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि भारत का रुख आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ ष्अडिगष है। श्री मोदी ने अमेरिका में हमलों में मारे गए लोगों को याद करते हुए कहा कि दुनिया को पीड़ितों का सम्मान करना चाहिए और उन परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए, जिनकी जिंदगी इन घटनाओं की वजह से भयावह हो गयी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 9/11 हमलों के 25 साल पूरे होने पर हम पीड़ितों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं तथा उन परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं, जिनकी इस हमले के बाद जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद ने दुनियाभर में अनगिनत लोगों की जान ली है और इसके दंश से निपटने में भारत का लम्बा अनुभव रहा है, खासकर सीमा पार आतंकवाद के संदर्भ में। श्री मोदी ने कहा, ष्सीमा पार आतंकवाद के पीड़ित देश के रूप में भारत कई दशकों से इस लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर रहा है।ष उन्होंने कहा कि आतंकवादी खतरा लगातार बदल रहा है, ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बनाए रखना और सामूहिक रूप से दृढ़ प्रतिक्रिया देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, खतरा लगातार हालांकि बदल रहा है लेकिन आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ हमारा संकल्प और विरोध अडिग है। हम इस संकट से निपटने के सभी प्रयासों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। श्री मोदी ने अपने संदेश के साथ 2014 में न्यूयॉर्क स्थित 9/11 मेमोरियल एंड म्यूजियम की अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं और हमलों के पीड़ितों को समर्पित इस स्थल के साथ अपने जुड़ाव को याद किया। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 के हमले चार यात्री विमानों के अपहरण के जरिए किए गए थे, जिनमें करीब 3,000 लोगों की मौत हुई थी। इन हमलों ने वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था को हिला कर रख दिया था। इसके बाद आतंकवाद के खिलाफ व्यापक अंतरराष्ट्रीय अभियान शुरू हुआ और दुनियाभर में आतंकवाद-रोधी तथा सुरक्षा नीतियों में बड़े बदलाव किए गए। श्री मोदी ने कहा भारत दशकों से आतंकवाद और सीमा पार हिंसा की लगातार चुनौती का सामना करता रहा है, यह बरसी वैश्विक स्तर पर समन्वित प्रतिक्रिया की उसकी बार-बार की गई अपील को भी रेखांकित करती है। नई दिल्ली लगातार आतंकवादी संगठनों, उनके वित्तीय नेटवर्क, सुरक्षित ठिकानों और उन्हें मिलने वाले अन्य प्रकार के समर्थन के खिलाफ समन्वित अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की वकालत करता रहा है। प्रधानमंत्री की टिप्पणियां भारतीयों के रुख की पुनः पुष्टि करती हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आतंकवाद के किसी भी रूप, स्रोत या उसके पीछे मौजूद लोगों की परवाह किए बिना, उसके खिलाफ निरंतर और दृढ़ रुख अपनाना चाहिए तथा निर्दोष लोगों की जान जाने से रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना चाहिए।

पर्व-त्योहारों से पहले प्रमुख मार्ग हो जाये गड्ढामुक्त-सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश और बाढ़ से खराब हुई सड़कों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें आवागमन के योग्य बनाने और बरसात के बाद जरूरत के अनुसार नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि बारिश अभी जारी है, इसलिए सड़कों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए और बारिश से नए क्षतिग्रस्त मार्गों का भी सर्वे कराया जाए। आगामी पर्व-त्योहारों में बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होगा। ऐसे में प्रमुख मार्गों पर आवागमन में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पर्वों से पहले आवश्यक मरम्मत और नवीनीकरण के काम पूरे करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गड्ढामुक्ति का काम केवल पैचवर्क तक सीमित न रहे। जहां सड़क तत्काल खराब स्थिति में है, वहां उसे अभी मोटरेबल बनाया जाए और बरसात समाप्त होने के बाद जरूरत के अनुसार स्थायी नवीनीकरण कराया जाए। अतिवृष्टि के साथ ही एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय मार्ग, रेलवे आदि की निर्माणाधीन परियोजनाओं के कारण भारी वाहनों की आवाजाही से भी कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इन मार्गों का विभागवार सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के आधार पर क्षतिग्रस्त सड़कों को चिन्हित कर गड्ढामुक्ति के विभागवार लक्ष्य तय किए जाएंगे।आगामी पर्वों को देखते हुए प्रदेश में 681 महत्वपूर्ण मार्ग चिन्हित किए गए हैं। इनमें गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा, नवरात्रि, दीपावली, छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा जैसे प्रमुख पर्वों के दौरान अधिक आवागमन वाले मार्ग शामिल हैं। इन मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर बेहतर स्थिति में रखने की तैयारी है।मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों से भी उनकी

भाजपा नेता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, इलाके में मचा हड़कंप

भागलपुर, एजेंसी। बिहार में भागलपुर जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र में अपराधियों ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के श्रीनारायण नगर मंडल अध्यक्ष उमा भूषण तांती की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस क्षेत्र के कुतुबगंज बाजार निवासी भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष उमा भूषण तांती (52) आज अपने घर के पास सड़क पर कुछ लोगों से बातचीत कर रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार आए दो-तीन अपराधियों ने उन्हें गोली मारकर घायल कर दिया। सूत्रों ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों के सहयोग से भाजपा नेता को गंभीर हालत में भागलपुर के जवाहरलाल नेहरु चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस के वरीय अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की और अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी का निर्देश थानाध्यक्ष को दिया। पुलिस ने इस सिलसिले में अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न हिस्सों में छापेमारी शुरु कर दी है। भागलपुर के भाजपा विधायक रोहित पांडेय एवं जिला भाजपा अध्यक्ष संतोष कुमार ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद मृत भाजपा नेता के परिजनों से मिले। उन्होंने इस घटना में शामिल अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग पुलिस के वरीय अधिकारियों से की है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बड़ी हलचल, बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ा, पूछताछ में खुलासे होने की संभावना

हीरानगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को जिंदा पकड़ने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी व्यक्ति ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के तरनाह नाले क्षेत्र से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास किया, जिसके बाद बी.एस.एफ. जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया। पकड़े गए पाकिस्तानी घुसपैठिए से बी.एस.एफ. द्वारा फिलहाल पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि वह भारतीय क्षेत्र में किस उद्देश्य से दाखिल हुआ और सीमा पार कर यहां तक पहुंचने के पीछे उसकी मंशा क्या थी। उसकी पहचान और अन्य विवरणों की भी जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी सक्रिय हो गईं। डी.एस.पी. बॉर्डर तथा थाना प्रभारी हीरानगर मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। संबंधित सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से क्षेत्र में पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बी.एस.एफ. और अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पाकिस्तानी नागरिक के भारतीय सीमा में प्रवेश के प्रयास के बाद सुरक्षा एजेंसियां मामले को गंभीरता से लेते हुए उसकी गहन जांच कर रही हैं। फिलहाल बी.एस.एफ. की पूछताछ और सुरक्षा एजेंसियों की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही घुसपैठिए के भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के वास्तविक उद्देश्य और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा हो सकेगा।

पैक्ड फूड के लेबल विवाद पर कोर्ट सख्त, एफएसएसएआई से मांगा स्पष्टीकरण

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से कहा है कि वह पैक खाद्य पदार्थों पर पैकेट के सामने की तरफ पोषण संबंधी चेतावनी वाला लेबल (एफओपीएल) लगाने की व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के अपने प्रस्ताव के तहत शचिंता वाले पोषक तत्वों-जैसे वसा, चीनी और नमक के लिए प्रस्तावित चेतावनी लेबल के बारे में और अधिक स्पष्ट जानकारी दे। फ्रंट-ऑफ-पैकेज लेबलिंग (एफओपीएल) खाद्य पैकेजिंग पर दी जाने वाली पोषण संबंधी जानकारी का एक ग्राफिक स्वरूप है, जो उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थ खरीदने और स्वस्थ आहार का विकल्प चुनने के बारे में सुविचारित निर्णय लेने में मदद कर सकता है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने बृहस्पतिवार को केंद्र से यह भी पूछा कि वह स्कूलों में पोषण संबंधी जागरुकता बढ़ाने की योजना कैसे बना रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि बच्चों में अस्वस्थ खान-पान की आदतें विकसित होने का गंभीर खतरा है। शीर्ष अदालत का आदेश देर रात अपलोड किया गया। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी। न्यायालय सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट श्3एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटीश की याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

ब्रिक्स सम्मेलन पर गृह मंत्री शाह ने भारत में वैश्विक नेताओं का किया स्वागत

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली में होने वाले हाई-प्रोफाइल ब्रिक्स (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन के लिए आ रहे वैश्विक नेताओं का स्वागत किया।

यह सम्मेलन राष्ट्रीय राजधानी में 12-13 सितंबर को आयोजित हो रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स समिट पर दुनिया भर की मीडिया की नजर है, क्योंकि जीडीपी के आंकड़े और आर्थिक गतिविधियां पश्चिम से दक्षिण एशिया की ओर बढ़ रही हैं।

आईआरसीटीसी होटल घोटाला लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप तय करने का आदेश

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की थी। यह जांच सीबीआई, नयी दिल्लीद्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर की गई थी। सीबीआई ने तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, पीसी गुप्ता और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जांच में सामने आया कि लालू प्रसाद यादव ने रेल मंत्री रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया था। उन्होंने पुरी और रांची के रेलवे होटलों का ठेका मैसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड को दे दिया था।

बीईओ के 238 पदों पर भर्ती का रास्ता साफ, आयोग को भेजा गया अधियाचन

प्रयागराज। प्रदेश में करीब छह साल बाद खंड शिक्षा अधिकारी पद पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। बेसिक शिक्षा निदेशालय ने 238 पदों का अधियाचन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को भेज दिया है। अब आयोग विज्ञापन जारी कर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा। बीएड अभ्यर्थियों को इस भर्ती में शामिल होने का

अवसर मिलेगा। प्रदेश में खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) पद पर भर्ती की प्रक्रिया का रास्ता अब साफ हो चुका है। प्रदेश के विभिन्न विकासखंडों के लिए कुल 238 पदों पर भर्ती होनी है। बेसिक शिक्षा निदेशालय ने बृहस्पतिवार देर शाम ऑनलाइन अधियाचन अपलोड करते हुए उप्र लोक सेवा आयोग को भेज दिया है। भर्ती प्रक्रिया आयोग की ओर से ही पूरी की जानी है।

अब आयोग विज्ञापन आदि की प्रक्रिया शुरू करेगा। निदेशालय ने इसके लिए बीते वर्ष भी लोक सेवा आयोग को अधियाचन भेज दिया था लेकिन नियमावली संशोधित न होने के कारण आयोग ने उस अधियाचन को वापस कर दिया था। अब फिर से यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। खंड शिक्षा अधिकारियों की भर्ती के लिए बीएड अभ्यर्थियों को मौका दिया जा रहा है।

इसके पहले वर्ष 2019 में बीईओ के 309 पदों पर भर्ती निकाली गई थी, जिसमें पांच लाख से ज्यादा आवेदन आए थे। अब करीब छह साल बाद फिर इस पद पर भर्ती होने जा रही है। प्रदेश में बीईओ के 1031 पद स्वीकृत हैं जिसमें कुल 350 से ज्यादा पद खाली हैं लेकिन 238 पदों पर ही भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। 10 प्रतिशत सीटों पर भर्ती की प्रक्रिया अभी रोकी गई है, क्योंकि इसमें प्रधानाध्यापकों को मौका मिल सकता है। पिछले दिनों अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा जब दो दिवसीय दौरे पर प्रयागराज आए थे तो उन्होंने इस भर्ती को लेकर चर्चा की थी।

वायरल बुखार की रिपोर्ट पर एमडीए उपाध्यक्ष को राहत, 30 सितंबर को फिर होगी पेशी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वायरल बुखार की रिपोर्ट पर मेरठ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय कुमार मीना की

व्यक्तिगत पेशी 30 सितंबर तक टाल दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वायरल बुखार की रिपोर्ट पर मेरठ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय कुमार मीना की व्यक्तिगत पेशी 30 सितंबर तक टाल दी है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि वह 30 सितंबर को दोपहर दो बजे व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होंगे। मेरठ विकास प्राधिकरण के सचिव अर्पित गुप्ता को अगली तारीख पर व्यक्तिगत पेशी से छूट दे दी गई है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने विजय कुमार सौरभ की याचिका पर दिया है। मेरठ विकास प्राधिकरण की आवासीय योजना वेदव्यासपुरी सेक्टर–7ए, पाकेट–एनए में विजय कुमार सौरभ को आवासीय प्लॉट आवंटित किया गया था। बाद में प्राधिकरण ने आवंटित प्लाट को पाकेट–डी में स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद याची ने मांग की कि प्लाट स्थानांतरित किए जाने की तारीख से ही उससे किस्तों की वसूली की जाए। प्राधिकरण ने याची की इस मांग को स्वीकार नहीं किया।

विवाद को लेकर याची ने हाईकोर्ट की शरण ली। सुनवाई के दौरान अदालत ने मेरठ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की व्यक्तिगत उपस्थिति का आदेश दिया। इससे पहले उपाध्यक्ष ने बीमारी का हवाला देते हुए व्यक्तिगत पेशी से छूट मांगी थी। उनकी ओर से बीमारी का कारण बताए जाने पर प्राधिकरण के सचिव अर्पित गुप्ता अदालत में उपस्थित हुए।

इस पर याची के अधिवक्ता ने आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि उपाध्यक्ष बीमार नहीं हैं और कार्यालय में काम कर रहे हैं। आरोप की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने मेरठ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उपाध्यक्ष के आवास पर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण करने का आदेश दिया।

एसएससी परीक्षा : दिल्ली पुलिस–सीएपीएफ में दरोगा बनने का मौका

प्रयागराज। दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में उप निरीक्षक बनने का इंतजार कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। कर्मचारी चयन आयोग ने 1871 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 सितंबर की रात 11 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। कर्मचारी चयन आयोग की ओर से दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में उप निरीक्षक के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं। अभ्यर्थी 30 सितंबर की रात 11 बजे तक अपना आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि एक अक्टूबर रात 11 बजे निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र में गलती होने पर अभ्यर्थियों को संशोधन का अवसर भी मिलेगा। इसके लिए आठ से 10 अक्टूबर तक का समय निर्धारित किया गया है। चयन प्रक्रिया में पहले कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा होगी। इसके बाद शारीरिक माप परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा, दूसरी लिखित परीक्षा और चिकित्सीय जांच होगी। सभी चरणों में सफल अभ्यर्थियों का अंतिम चयन किया जाएगा। लिखित परीक्षा में सामान्य बुद्धिमत्ता, सामान्य ज्ञान, मात्रात्मक योग्यता और अंग्रेजी भाषा से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा में गलत उत्तर देने पर निर्धारित अंकों की कटौती भी की जाएगी। अधिकांश पदों के लिए अभ्यर्थी की आयु 20 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी। दिल्ली पुलिस में उप निरीक्षक के पदों के लिए पुरुष और महिला अभ्यर्थियों के लिए अलग–अलग पद निर्धारित किए गए हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन से पहले अपनी पात्रता और शारीरिक मानकों की जानकारी भर्ती विज्ञापन में जरूर देखनी होगी। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में उप निरीक्षक के 1320 पद हैं। इनमें सीमा सुरक्षा बल के 457, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 254, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के 250, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के 187 और सचिवालय सुरक्षा बल के 172 पद शामिल हैं।

झूंसी, सहसों के रास्ते चलेंगी लखनऊ–अयोध्या रूट की बसें, एक माह के लिए लागू हुई व्यवस्था

प्रयागराज। लखनऊ और अयोध्या रूट की रोडवेज व निजी बसें शुक्रवार से झूंसी, अंदावा, सहसों के रास्ते चलेंगी। जाम से निजात के लिए यह व्यवस्था एक माह के लिए लागू की गई है।

लखनऊ और अयोध्या रूट की रोडवेज व निजी बसें शुक्रवार से झूंसी, अंदावा, सहसों के रास्ते चलेंगी। जाम से निजात के लिए यह व्यवस्था एक माह के लिए लागू की गई है। हालांकि, इससे लखनऊ व अयोध्या रूट की दूरी और किराया दोनों बढ़ेंगे। किराये की नई दरें शुक्रवार को निर्धारित की जाएंगी। शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर बृहस्पतिवार को कमिश्नरी में मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें ट्रैफिक पुलिस ने जाम के प्रमुख कारण गिनाए।

प्रस्ताव रखा गया कि अगर लखनऊ व अयोध्या रूट की बसों के मार्ग परिवर्तित कर दिए जाएं तो जाम से काफी हद तक निजात मिल सकती है। इस व्यवस्था से प्रयागराज से लखनऊ की दूरी 22 किमी और अयोध्या की दूरी 17 किमी बढ़ जाएगी। वहीं, सूत्रों का कहना है कि मार्ग डायवर्जन की समय सीमा विस्तारित की जा सकती है। दरअसल, गंगा पर बन रहे सिक्स लेन पुल की लखनऊ व अयोध्या की ओर से जानी वाली लेन का संचालन 15 नवंबर और प्रयागराज की ओर आने वाली दूसरी लेन का संचालन 15 दिसंबर से शुरू करने की योजना है। इससे तेलियरगंज और फाफामऊ में जाम की समस्या समाप्त हो जाएगी। ऐसे में सिक्स लेन पुल पर वाहनों का संचालन शुरू होने तक इंतजार करना पड़ सकता है।

चिह्नित की गईं गड्ढे वाली सड़कें, जल्द शुरू होगा काम

मंडलायुक्त को बताया गया कि नगर निगम ने लगभग 96 किमी गड्ढे वाली सड़कों का चिह्नांकन किया है जिनकी मरम्मत कराई जाएगी। इसके लिए टेंडर भी हो चुका है। पीडीए ने 38 सड़कें चिह्नित की हैं जिनमें डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड के तहत आने वाली सड़कों पर संबंधित एजेंसी के माध्यम से मरम्मत का काम शीघ्र शुरू किया जाएगा। पीडब्ल्यूडी ने तकरीबन 111 सड़कें चिह्नित की हैं जिनकी मरम्मत होनी है। बारिश रुकते ही मरम्मत कार्य शुरू करा दिए जाएंगे। इसमें शहरी क्षेत्र में बांगड़ धर्मशाला, सीएमपी डिग्री कॉलेज, फाफामऊ पुल, तेलियरगंज के कुछ स्थान व मेडिकल चौराहे से रामबाग फ्लाईओवर पर चढ़ने वाला रास्ता शामिल है।

चौक में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कमेटी गठित

मंडलायुक्त ने पार्किंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ अवैध पार्किंग एवं अतिक्रमण पर कार्रवाई के निर्देश दिए। निरंजन चौराहे से घंटाघर तक मार्ग पर अवैध पार्किंग व अतिक्रमण से उत्पन्न यातायात दबाव को देखते हुए नगर निगम, ट्रैफिक विभाग एवं व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों की समिति गठित कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

एमजी रोड के फुटपाथ का होगा पुनर्विकास

मंडलायुक्त ने पीडीए के कंसल्टेंट के माध्यम से एमजी रोड के फुटपाथ के नए डिजाइन पर प्रस्तुतीकरण तैयार करने के निर्देश दिए। फुटपाथ के पुनर्विकास के साथ तारों को चरणबद्ध रूप से अंडरग्राउंड किए जाने, अवैध बैनर हटाने एवं डिफेसमेंट समाप्त करने के निर्देश दिए गए। एमजी रोड को जीरो टॉलरेंस रोड के रूप में विकसित करने और एमजी रोड पर प्रभावी स्वच्छता एवं वेस्ट मैनेजमेंट के लिए गीले व सूखे कचरे के लिए अलग–अलग डस्टबिन की व्यवस्था करने को कहा। इसके तहत प्रत्येक 100 मीटर पर डस्टबिन एवं सफाई कर्मी तैनात किए जाएंगे। वहीं, मंडलायुक्त ने शहर की सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर वाहनों में शराब का सेवन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

डीआरएम आफिस में सीबीआई का छापा, 50 हजार की रिश्वत लेते पकड़े गए एपीओ और कार्यालय अधीक्षक

प्रयागराज। प्रयागराज में डीआरएम कार्यालय के कार्मिक विभाग में सीबीआई की अचानक कार्रवाई से हड़कंप मच गया। टीम ने 50 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते सहायक कार्मिक अधिकारी (एपीओ) और कार्यालय अधीक्षक को गिरफ्तार किया। कार्रवाई लोको पायलट के स्थानांतरण से जुड़े मामले में शिकायत के बाद की गई।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय (डीआरएम) में बृहस्पतिवार देर शाम सीबीआई ने एक सहायक कार्मिक अधिकारी (एपीओ) और कार्यालय अधीक्षक को कथित तौर पर 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

चर्चा है कि प्रयागराज मंडल के कानपुर में तैनात एक लोको पायलट के स्थानांतरण से जुड़े मामले में दोनों कर्मचारी उसे मानसिक रूप से परेशान कर रहे थे। साथ ही 50 हजार रुपये घूस मांगने का आरोप था। पीड़ित लोको पायलट ने शिकायत सीबीआई में दर्ज कराई थी।

बृहस्पतिवार देर शाम शिकायतकर्ता रिश्वत की रकम लेकर प्रयागराज मंडल कार्यालय पहुंचा। वहां वह एपीओ और कार्यालय अधीक्षक से मिला। आरोप है कि जैसे ही तय रकम दोनों के हाथ में सौंपी गई, वहां पहले से ही मुस्तैद सीबीआई की टीम ने दोनों को दबोच लिया। इसके बाद टीम ने कार्यालय के जांच की। कुछ दस्तावेज टीम ने अपने कब्जे में ले लिए। इस बारे में उत्तर मध्य रेलवे के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी डॉ.अमित मालवीय ने बताया कि सूचना मिली है, लेकिन अभी आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है कि सीबीआई ने किसे पकड़ा और क्या कार्रवाई की। दूसरी ओर बताया जा रहा है कि जीएम एनसीआर नरेश पाल सिंह को भी रेलवे अफसरों ने यह जानकारी दी है।

बेलन नदी में बढ़ रहा जलस्तर, तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा

प्रयागराज। बेलन नदी के कैचमेंट क्षेत्र में बारिश के बाद नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बरौधा पिकअप वियर से लगातार बढ़ते डिस्चार्ज के चलते बेलन के साथ टोंस नदी का जलस्तर बढ़ने की भी प्रबल संभावना जताई गई है। बेलन नदी के कैचमेंट क्षेत्र में बारिश के बाद नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बरौधा पिकअप वियर से लगातार बढ़ते डिस्चार्ज के चलते बेलन के साथ टोंस नदी का जलस्तर बढ़ने की भी प्रबल संभावना जताई गई है। प्रशासन ने तटवर्ती और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार शाम छह बजे से बृहस्पतिवार सुबह छह बजे के बीच बेलन नदी के कैचमेंट क्षेत्र में हुई बारिश के कारण नरौदा गेज स्टेशन पर जलस्तर करीब दो सेमी प्रति घंटे की दर से बढ़ा। सुबह आठ बजे बरौधा पिकअप वियर से 24,240 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

इसके बाद नादौरा गेज स्टेशन पर सुबह छह बजे से दोपहर 12 बजे के बीच जलस्तर 14.67 सेंटीमीटर प्रति घंटे की दर से बढ़ा। दोपहर 12 बजे बरौधा पिकअप वियर से डिस्चार्ज बढ़ाकर 56,960 क्यूसेक कर दिया गया। यह सुबह के मुकाबले 32,720 क्यूसेक अधिक है। वर्तमान में बेलन का जलस्तर करीब 12 सेमी प्रति घंटे की दर से बढ़ रहा है। जारी डिस्चार्ज के कारण नदी के जलस्तर में करीब दो मीटर तक वृद्धि की आशंका जताई गई है। इससे टोंस नदी में भी पानी बढ़ने की संभावना है। निचले और तटवर्ती इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है।

गंगा– यमुना के जलस्तर में उतार–चढ़ाव जारी

जिले में गंगा–यमुना के जलस्तर में उतार–चढ़ाव का सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहा। हालांकि देर शाम तक दोनों नदियां खतरे के निशान से काफी नीचे रहीं । केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, सुबह आठ बजे यमुना का जलस्तर नैनी में 81.60 मीटर था। शाम चार बजे यह घटकर 81.56 और रात आठ बजे 81.55 मीटर पहुंच गया। वहीं गंगा फाफामऊ में सुबह 81.88 मीटर से बढ़कर रात आठ बजे 81.95 मीटर पर पहुंच गई। छतनाग में गंगा का जलस्तर सुबह 81.13 मीटर था, जो रात आठ बजे घटकर 81.10 मीटर हो गया। एसटीपी बक्शी बांध पर सुबह जलस्तर 81.74 मीटर दर्ज किया गया था, जो रात आठ बजे 81.69 मीटर रहा।

झूंसी थाने के सामने पेट्रोल डालकर युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास, पुलिसकर्मी ने बचाई जान

प्रयागराज। झूंसी थाने के सामने हाईवे पर बृहस्पतिवार की दोपहर एक युवक बोतल में पेट्रोल और लाइटर लेकर पहुंचा और आत्मदाह का प्रयास करने लगा। झूंसी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को आत्मदाह करने से रोक लिया। झूंसी थाने के सामने हाईवे पर बृहस्पतिवार की दोपहर एक युवक बोतल में पेट्रोल और लाइटर लेकर पहुंचा और आत्मदाह का प्रयास करने लगा। झूंसी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को आत्मदाह करने से रोक लिया। बाद में युवक का मेडिकल परीक्षण कराया गया। युवक ने अपने इस कदम के लिए लिखित माफी मांगी है। झूंसी पुलिस के मुताबिक, क्षेत्र के नैका महीन गांव निवासी 24 वर्षीय युवक मोहित यादव इन दिनों हरियाणा में किसी फैक्टरी में काम करता है। दो दिन पहले ही वह हरियाणा से लौटा है। आरोप है कि उसका पड़ोस के ही युवक और उसके परिजनों से विवाद चल रहा है। करीब एक माह पहले आरोपी ने झूंसी पुलिस को तहरीर देकर अगवा करने का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया था। इसी मामले को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर, दो दिन पहले मोहित हरियाणा से घर लौटा तो किसी ने उसे बता दिया कि पुलिस ने उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। ऐसे में युवक को लगा कि झूठे मुकदमे में फंसाकर पड़ोसी से जेल भेजने की तैयारी कर चुका है। गांव के ही कुछ लोगों ने उसे उकसाया कि अब उसे जेल जाने से कोई नहीं रोक पाएगा। यह सुनकर युवक बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल और लाइटर लेकर झूंसी थाने के सामने पहुंचा। जब तक वहां मौजूद लोग कुछ समझ पाते युवक ने बोतल की ढक्कन खोलकर अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। जब वह लाइटर निकालकर आग लगाने लगा कि वहां मौजूद लोग शोर मचाने लगे। तभी थाने में मौजूद पुलिसकर्मी भी दौड़ते हुए वहां पहुंचे और युवक को पकड़ लिया। तब जाकर किसी तरह उसकी जान बचाई जा सकी। एसओ झूंसी महेश मिश्र ने बताया कि युवक के आत्मदाह के प्रयास की वजह और पड़ोसी से चल रहे विवाद की जांच की जा रही है।

चीनी मिल को उनकी अनुमानित जरूरत के मुताबिक आवंटित हो गन्ना: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चीनी मिलों को गन्ने के आवंटन में भेदभाव पर कड़ा रुख अपनाया है। कहा है कि मिल को उसकी अनुमानित जरूरत के अनुरूप गन्ना आवंटित किया जाना चाहिए, ताकि उनका निरंतर संचालन होता रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चीनी मिलों को गन्ने के आवंटन में भेदभाव पर कड़ा रुख अपनाया है। कहा है कि मिल को उसकी अनुमानित जरूरत के अनुरूप गन्ना आवंटित किया जाना चाहिए, ताकि उनका निरंतर संचालन होता रहे। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने बदायूं की यदु शुगर लिमिटेड की याचिका मंजूर कर ली है। कोर्ट ने गन्ना आयुक्त को आदेश दिया है कि 2026–27 के पेराई सत्र में बदायूं के बिसौली स्थित यदु शुगर मिल को उसकी अनुमानित जरूरत के अनुरूप गन्ना आवंटित किया जाए। मिल को 180 दिन निर्बाध रूप से चलाने के लिए पेराई कैलेंडर तैयार करने का भी आदेश दिया गया है। याचिका में कहा गया कि 2026–27 सत्र के लिए उसकी अनुमानित गन्ने की जरूरत 100.80 लाख क्विंटल थी, लेकिन उसे महज 51.30 लाख क्विंटल यानी 50.89 प्रतिशत गन्ना आवंटित किया गया। इसके विपरीत क्षेत्र की सात अन्य चीनी मिलों को उनकी अनुमानित जरूरत का 100 प्रतिशत से लेकर 190.92 प्रतिशत तक आवंटन किया गया।

कोर्ट ने पाया कि कम आवंटन के कारण मिल को पर्याप्त गन्ना नहीं मिला। ऐसे में वह लगातार नहीं चल सकी। गन्ने की कमी के चलते मिल के 786.19 घंटे प्रभावित हुए, जबकि उसकी वास्तविक पेराई अवधि 784.44 घंटे ही थी। कोर्ट ने यह भी ध्यान दिया कि गन्ना आयुक्त की दो सितंबर 2025 की नीति में परिवहन के दौरान न्यूनतम 40 प्रतिशत गन्ना नुकसान की बात स्वीकार की गई है। ऐसे में केवल कागजी जरूरत के बराबर आवंटन पर्याप्त नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि मिल के समय से पहले बंद होने की मूल वजह कम गन्ना आवंटन और उसकी आपूर्ति में कमी थी। इसे याची की खराब कार्यप्रणाली या भुगतान में अनुचित देरी का परिणाम नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने गन्ना आयुक्त को 100.80 लाख क्विंटल की अनुमानित जरूरत को आधार बनाकर, 40 प्रतिशत संभावित नुकसान को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त आवंटन करने का आदेश दिया। साथ ही मिल को कहा है कि आवंटित गन्ने की समुचित खरीद और उपयोग सुनिश्चित करें, ताकि किसानों का समय पर भुगतान भी हो सके।

हाईकोर्ट ने कहा: सीआरएल रिपोर्ट में कम समय में अधिक सवाल हल करना नकल का सबूत नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल कैंडिडेट रिस्पांस लॉग (सीआरएल) रिपोर्ट में कम समय में अधिक प्रश्न हल करने के आधार पर किसी अभ्यर्थी को नकल करने वाला नहीं माना जा सकता। इसके लिए ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य जरूरी हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि केवल कैंडिडेट रिस्पांस लॉग (सीआरएल) रिपोर्ट में कम समय में अधिक प्रश्न हल करने के आधार पर किसी अभ्यर्थी को नकल करने वाला नहीं माना जा सकता। इसके लिए ठोस और विश्वसनीय साक्ष्य जरूरी हैं। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी ने राज्य सरकार की ओर से दायर विशेष अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने सरकार को तीन माह में शेष चयन प्रक्रिया पूरी कर परिणाम घोषित करने का आदेश दिया है। हालांकि, निष्पक्ष जांच करने की सरकार को स्वतंत्रता दी गई है। मामला तनु चौधरी और 44 अन्य अभ्यर्थियों से जुड़ा है। दरोगा भर्ती 2020–21 में नकल का आरोप लगाकर याची अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा से रोक दिया गया था। याचियों ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। एकल पीठ ने 29 अगस्त 2025 को उनकी याचिकाएं स्वीकार कर राहत दी थी। इसके खिलाफ सरकार ने विशेष अपील की थी। भर्ती में उपनिरीक्षक, पीएसी प्लाटून कमांडर और फायर स्टेशन सेकेंड ऑफिसर के 9534 पद शामिल थे।

हाईकोर्ट: टेंडर प्रक्रिया में जरूरी दस्तावेज अश्वनलाइन अपलोड न करना प्रक्रिया का उल्लंघन, एलओआई रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने टेंडर प्रक्रिया में निर्धारित जरूरी दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड न किए जाने को आवश्यक प्रक्रिया का उल्लंघन माना है। ऐसे में कोर्ट ने सफल बोलीदाता के पक्ष में जारी लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) रद्द कर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने टेंडर प्रक्रिया में निर्धारित जरूरी दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड न किए जाने को आवश्यक प्रक्रिया का उल्लंघन माना है। ऐसे में कोर्ट ने सफल बोलीदाता के पक्ष में जारी लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) रद्द कर दिया है। साथ ही वितरण कंपनी को शेष बोलियों का नए सिरे से मूल्यांकन कर सफल पाए जाने वाले बोलीदाता के पक्ष में नई एलओआई जारी करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने मेसर्स ओम साई ट्रेडर्स व अन्य बनाम यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड व छह अन्य की याचिका पर दिया है। याची ने एलओआई जारी किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। वितरण कंपनी की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि प्रतिवादी संख्या सात (साई ट्रेडिंग कंपनी,आजाद नगर, बंसी) के पक्ष में लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया जा चुका है।

कोर्ट ने टेंडर दस्तावेज का अवलोकन करने पर पाया कि टेंडर प्रोफार्मा की धारा–1 में सभी दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य किया गया था। सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि प्रतिवादी संख्या सात ने टेंडर दस्तावेज जमा करने की आवश्यक प्रक्रिया का पालन नहीं किया था। इसके बावजूद उसके पक्ष में एलओआई जारी कर दी गई। हाईकोर्ट ने इस आधार पर प्रतिवादी संख्या सात के पक्ष में जारी एलओआई को निरस्त करने का आदेश दिया। कोर्ट ने वितरण कंपनी को आदेश दिया कि वह बाकी बोलियों का मूल्यांकन करे और मूल्यांकन में सफल पाए जाने वाले बोलीदाता के पक्ष में नई एलओआई जारी करे।

तीन साल पुरानी घटना में दर्ज एफआईआर पर गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के कोतवाली थाने में करीब तीन साल बाद दर्ज एफआईआर के मामले में आरोपी संजय बिंद की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के कोतवाली थाने में करीब तीन साल बाद दर्ज एफआईआर के मामले में आरोपी संजय बिंद की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने यह राहत अगली सुनवाई या पुलिस रिपोर्ट दाखिल होने तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहने का आदेश दिया है। याची को जांच में पूरा सहयोग करना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा व न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने दिया। याची के अधिवक्ता ने कहा कि एफआईआर में डकैती, हत्या का प्रयास सहित कई आरोप लगाए गए हैं। घटना 14 दिसंबर 2023 की बताई गई है, जबकि एफआईआर 21 अगस्त को दर्ज कराई गई।

संक्षिप्त

पीआईबी और यूपीआईडी के संयुक्त तत्वावधान में 'मीडिया संवाद' कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ, संवाददाता। पीआईबी और उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में निदेशक सूचना विशाल सिंह और पीआईबी लखनऊ के निदेशक दिलीप कुमार शुक्ल के दिशा–निर्देशन में केरलम के मीडिया प्रतिनिधियों के साथ 'मीडिया संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों राज्यों के मीडिया प्रतिनिधियों के बीच आपसी संवाद, अनुभवों के आदान–प्रदान और एक–दूसरे की संस्कृति, विकास यात्रा तथा मीडिया कार्यप्रणाली को समझने के लिए मंच प्रदान करना था। संवाद के दौरान 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने और दोनों राज्यों के बीच आपसी समझ एवं सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। पत्र सूचना कार्यालय पीआईबी लखनऊ के नेतृत्व में केरलम के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया संस्थानों के पत्रकारों का एक मीडिया प्रतिनिधिमंडल लखनऊ के दौरे पर है। मीडिया संवाद के दौरान केरलम के पत्रकारों ने उत्तर प्रदेश की संस्कृति, विकास, शासन व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। विशेष रूप से केरलम प्रतिनिधिमंडल ने यूपी में सुदृढ़ कानून–व्यवस्था का मॉडल समझा। प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश में कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के लिए किए गए ठोस प्रयासों की विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान सरकार और जनता के बीच संवाद एवं फीडबैक मैकेनिज्म पर भी चर्चा हुई।संवाद के दौरान उत्तर प्रदेश के पत्रकारों ने केरलम की शिक्षा व्यवस्था और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के पीछे प्रमुख कारणों को समझने में खास रुचि दिखाई। दोनों राज्यों के पत्रकारों ने यह भी साझा किया कि उनके–अपने राज्यों में मीडिया किस प्रकार कार्य करता है तथा स्थानीय और जन–सरोकार से जुड़े मुद्दों को किस तरह समाचारों में प्रमुखता दी जाती है। दोनों पक्षों के बीच बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग के बढ़ते संबंधों, दोनों क्षेत्रों की फिल्म इंडस्ट्री तथा सिनेमा के माध्यम से सांस्कृतिक आदान–प्रदान की संभावनाओं पर भी विचार–विमर्श किया गया।

वीबी–जी राम जी योजना का किया जाय प्रभावी क्रियान्वयन– केशव

लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकसित भारत–जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनपदों में अभियान चलाकर मानव दिवस सृजन में बढ़ोतरी के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने योजना अंतर्गत कार्य करने वाले श्रमिकों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर भुगतान के निर्देश दिए हैं।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत–जी राम जी योजना के अंतर्गत 318 प्रकार के कार्य निर्धारित किए गए हैं। इनमें आजीविका से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य भी शामिल हैं। ऐसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, जिससे योजना अपने उद्देश्यों को प्राप्त करते हुए विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित जनपद और विकसित ग्राम पंचायत के संकल्प को साकार करने में प्रभावी भूमिका निभा सके। खंड विकास अधिकारी योजना के कार्यों की नियमित समीक्षा करे। प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण मे प्रदेश को 6.18 लाख आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। सभी जनपद इन आवासों को समयबद्ध ढंग से स्वीकृत करते हुए निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अंतर्गत बेसहारा पात्र महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा अन्य प्राथमिकता श्रेणी के पात्र परिवारों, जिन्हें अभी तक योजना का लाभ नहीं मिला है, उन्हें विशेष अभियान चलाकर चिन्हित किया जाए और पात्रता के अनुसार योजना का लाभ दिलाया जाए।

यूपी में 100 सीटों में सिमट जाएगी बीजेपी–रविदास

लखनऊ, संवाददाता। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा ने दावा किया कि भाजपा 100 सीटों के अंदर सिमट जाएगी, जबकि समाजवादी पार्टी 300 से ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बनाएगी। उन्होंने सपा–कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर कहा कि कांग्रेस को उन्हीं सीटों पर दावा करना चाहिए, जहां उसके जीतने की संभावना मजबूत है। कांग्रेस के लिए उन्होंने करीब 60–65 सीटों की संभावना भी जताई। बसपा से आकाश आनंद को बाहर किए जाने के सवाल पर रविदास मेहरोत्रा ने बहुजन समाज पार्टी को भाजपा की शबी टीमश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि बसपा में जो नेता भाजपा के खिलाफ बोलता है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। आकाश आनंद बसपा में रहते हुए भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना और विरोध करते थे, इसलिए उन्हें पार्टी से बाहर करने की कार्रवाई की गई। अखिलेश यादव के बुलंदशहर दौरे को कथित तौर पर अनुमति नहीं मिलने को लेकर भी सपा विधायक ने कहा कि 11 सितंबर को बुलंदशहर में अखिलेश यादव की बड़ी सभा प्रस्तावित थी, लेकिन सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी। भाजपा सरकार नहीं चाहती कि अखिलेश यादव पूरे प्रदेश में दौरे और रैलियां करें। भाजपा के कथित इंटरनल सर्वे में करीब 160 सीटें मिलने के अनुमान पर रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि भाजपा को इतनी सीटें भी नहीं मिलेंगी। भाजपा 100 सीटों के अंदर सिमट सकती है। जनता में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध, स्वास्थ्य सेवाओं और स्कूलों से जुड़े मुद्दों को लेकर नाराजगी है। उन्होंने दावा किया कि यह जनाक्रोश चुनाव तक और बढ़ेगा। समाजवादी पार्टी 300 से ज्यादा सीटें जीतेगी और अखिलेश यादव बड़े बहुमत के साथ मुख्यमंत्री बनेंगे।

अपनी ही सरकार फिर भी मंत्री संजय निषाद खफा

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद आंदोलित हैं। गोंडा के बर्तन कारोबारी विनोद साहनी की हत्या को लेकर गुरुवार की रात लखनऊ में धरने पर बैठ गए।आज गोंडा में धरना दे दिया।शुक्रवार को गोंडा पहुंचकर कलक्ट्रेट का घेराव कर लिया। यहां पैदल मार्च निकाला और विरोध प्रदर्शन किया। अफसरों को भी खूब सुनाया। विनोद साहनी के हत्यारों पर बुलडोजर ऐक्शन और पीड़ित परिवार को नौकरी के साथ मुआवजा की मांग बुलंद की। दोषी पुलिस वालों पर एफआईआर और पकड़े गए आरोपियों पर एनएसए लगाने की भी मांग की। गोंडा के परसपुर के रेक्सड़िया गांव निवासी बर्तन कारोबारी विनोद साहनी पर सोशल मीडिया पोस्ट के विवाद में कुछ लोगों ने हमला कर दिया था। गुरुवार की शाम लखनऊ में उनकी मौत हो गई। इसके बाद सपा, आजाद समाज पार्टी, बिहार के मुकेश सहनी की पार्टी के साथ ही संजय निषाद भी आंदोलित हो गए। वह देर शाम पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और धरने पर बैठ गए। धरना स्थल से ही गोंडा के अधिकारियों को फोन कर आरोपियों पर सख्त ऐक्शन और बुलडोजर की मांग कर दी।

नैनो उर्वरकों से कम लागत में बेहतर उत्पादन का संदेश

कारब में किसान दिवस पर वैज्ञानिकों ने किसानों को बताए नैनो यूरिया प्लस व नैनो डीएपी के फायदे

राया (मथुरा)। ब्लॉक राया के ग्राम कारब में शुक्रवार को प्रगतिशील कृषक के फार्म पर प्रक्षेत्र प्रदर्शन एवं नैनो उर्वरकों पर आधारित किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों एवं इफको के अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा नैनो उर्वरकों के संतुलित प्रयोग के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र (दुवासु), मथुरा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. योगेश कुमार शर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि इफको डेलीगेट एवं अध्यक्ष अरविंद जी रहे। कार्यक्रम में इफको उप क्षेत्र प्रबंधक सतबीर सिंह, इफको एमसी के एमडीए महेश जी, इफको नैनोवेशन प्रतिनिधि लोकेश जादौन, एसएफए हॉटस्पॉट दुर्गापाल सिंह तथा एमडीई कुलदीप चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक ओमप्रकाश एवं रीत राम ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ इफको उप क्षेत्र प्रबंधक सतबीर सिंह ने अतिथियों एवं किसानों के स्वागत के साथ किया। उन्होंने किसानों से खेती में नवीन तकनीकों को अपनाने का आह्वान करते हुए इफको नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के उपयोग, लाभ और प्रयोग की जानकारी दी। उन्होंने दानेदार उर्वरकों के विवेकपूर्ण एवं सीमित उपयोग के साथ नैनो उर्वरकों को कृषि में अपनाने पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. योगेश कुमार शर्मा ने किसानों से सीधे संवाद कर उनकी कृषि संबंधी समस्याओं को सुना और वैज्ञानिक पद्धति से खेती के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का संतुलित उपयोग करने से खेती की लागत को नियंत्रित करते हुए उत्पादन एवं फसल की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। उन्होंने किसानों को कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी।

इफको एमसी प्रतिनिधि ने किसानों को विभिन्न कृषि दवाओं के उपयोग की विधि, उनके लाभ तथा आवश्यक सावधानियों की विस्तार से जानकारी दी। वहीं इफको डेलीगेट अरविंद जी ने नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा दानेदार उर्वरकों के सीमित एवं संतुलित उपयोग की अपील की।

कार्यक्रम में किसानों ने अपनी धान की फसल में नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रयोग के अनुभव भी साझा किए। किसानों ने बताया कि प्रयोग वाले खेतों में फसल अधिक हरी–भरी और स्वस्थ दिखाई दे रही है तथा उन्हें बेहतर परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं किसानों ने प्रगतिशील कृषक के प्रक्षेत्र प्रदर्शन का अवलोकन किया। प्रगतिशील कृषक ओम प्रकाश चौधरी ने बताया कि प्रदर्शन प्लॉट में लगी धान की फसल दानेदार डीएपी एवं यूरिया वाले प्लॉट की तुलना में अधिक सशक्त एवं बेहतर स्थिति में दिखाई दे रही है।

उन्होंने किसानों से नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रयोग को लेकर जागरूक होने का आह्वान किया। किसान दिवस कार्यक्रम में करीब 70 से 80 किसानों ने सक्रिय सहभागिता की।

हिन्दी विभाग, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत में हिन्दी विभाग ने आयोजित किया 'नवोन्मेष' कार्यक्रम

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के हिन्दी विभाग द्वारा नवप्रवेशी छात्र–छात्राओं के स्वागत एवं उनके उत्साहवर्धन के लिए 'नवोन्मेष' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवागंतुक विद्यार्थियों को विभागीय परिवेश से परिचित कराने के साथ उनमें आत्मीयता, रचनात्मकता, सहभागिता एवं आत्मविश्वास की भावना विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता कला कल्याण एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवन ज्ञानार्जन के साथ व्यक्तित्व निर्माण और सृजनात्मक अभिव्यक्ति का भी महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में डॉ. अलका मिश्रा, डॉ अजीत सिंह, डॉ. बब्लू यादव एवं ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल शैक्षिक भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम का संचालन हर्ष तिवारी एवं गुड़िया सिंह ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में शोध छात्रा सोनल सिंह तथा शोध छात्र किसलय सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम में विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से नवप्रवेशी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में आयोजित चयन प्रक्रिया में काजल शुक्ला को 'मिस फ्रेशर' तथा विशाल सिंह को 'मिस्टर फ्रेशर' चुना गया। दोनों विजेताओं को विभाग की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। 'नवोन्मेष' कार्यक्रम ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विभाग से आत्मीय रूप से जोड़ने तथा उनके भीतर नई ऊर्जा और सृजनात्मक उत्साह का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सौर ऊर्जा से संवरेगा गांवों का भविष्य–केशव

किसानों–महिलाओं और छोटे उद्यमियों की आय बढ़ाने का नया विकल्प

लखनऊ, संवाददाता। नेशनल सोलर एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित 'सौर ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा–2026' प्रदर्शनी एवं संवाद कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सोलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सौरभ शर्मा द्वारा किया गया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा केवल बिजली उत्पादन का माध्यम नहीं बल्कि गांवों में रोजगार, आय और उद्यमिता बढ़ाने का प्रभावी साधन है।सौर ऊर्जा से गांवों का भविष्य संवरेगा।उत्तर प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप नवीकरणीय ऊर्जा को ग्रामीण विकास और जनकल्याण से जोड़कर आगे बढ़ा रही है।उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण, स्वयं सहायता समूहों और सौर ऊर्जा का समन्वय ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया मॉडल बन सकता है, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं खाद्य प्रसंस्करण, दुग्ध उत्पादन, पैकेजिंग, मसाला, अचार, पापड़, स्थानीय उत्पादों सहित अनेक गतिविधियों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं। यदि इन इकाइयों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाता है तो बिजली पर होने वाला खर्च कम होगा और महिलाओं तथा छोटे उद्यमियों की बचत सीधे उनकी आय में परिवर्तित होगी। उन्होंने सौर ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा–2026 प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा प्रदर्शनी में लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने सौर ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिकल एवं संबंधित क्षेत्रों में विकसित की जा रही आधुनिक तकनीकों, उपकरणों एवं नवाचारों की जानकारी ली।श्री मौर्य ने पुस्तक का विमोचन तथा सौर ऊर्जा से संबंधित सोलर मशीन का उद्घाटन किया।विभिन्न स्टालों पर पहुंचकर निर्माताओं, उद्यमियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों से संवाद करते हुए सौर ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की। उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में उपस्थित महिलाओं से विशेष रूप से संवाद किया और सौर ऊर्जा के माध्यम से उनके स्वरोजगार, आजीविका एवं आर्थिक सशक्तिकरण के संबंध में जानकारी ली।

बीजेपी को हर हाल में यूपी में हैट्रिक की दरकार

2024 में जिन बूथों पर लगा था झटका, उन पर खास फोकस

लखनऊ, संवाददाता। बीजेपी हर हाल में यूपी में जीत की हैट्रिक लगाना चाहती है। इसके लिए हर जरूरी कदम उठाने को तैयार है। बीजेपी के नए स्टेट प्रभारी विनोद तावड़े फिर 16 सितम्बर को लखनऊ आ रहे हैं। अभी तो आये थे लेकिन अभी फिर आ रहे हैं, क्योंकि वे संगठन के माहिर और चुनाव प्रबन्धन के लिए परफेक्ट माने जाते हैं। वे दूसरे स्टेट में अपनी मेहनत दिखा चुके हैं।इस बार वे पूरे एक हफ्ते रहेंगे और कील कांटा दुरुस्त करने की कोशिश करेंगे। असेम्बली इलेक्शन में ज्यादा समय शेष नहीं है इसलिए जल्दी जल्दी बैठक और दौरे हो रहे हैं। तावड़े की सोच, बूथ मजबूत तो जीत पक्की, जो सत्य भी है। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पूरी ताकत लगा रही है।

दया प्रेम सहयोग

(छप्पय)

किस पर करें यक़ीन   मकाँ भी हुआ अकेला।
तरस रही है आँख   देख बच्चों का मेला।
पढ़ने जाते दूर   दूर ही रह जाते हैं।
संध्या हुई उदास   ख़बर पाकर आते हैं।
क्या खोया अरु क्या मिला   भौतिकता की चाह में
कौन बतायेगा भला   रिश्तों के इस खेल में।

दया प्रेम सहयोग   किताबी बातें कहिये।
तज रिश्तों का प्यार   साथ रुपए के रहिये।
सतरंगी हर चाल   बिछाते नई बिसाते।
आदर और सम्मान   हुई जब कल की बातें।
करिए सदा प्रयास यह   सबकी निज पहचान हो।
रिश्तों की जीवन्तता   जीवन का आधार हो।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अन्ना आंदोलन के साथी इमरान संभलशाही को पुनः आप के प्रदेश प्रवक्ता की कमान

प्रयागराज। अन्ना आंदोलन के साथी, साहित्यकार इमरान संभलशाही को पुनः प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है। लेखन, सामाजिक कार्य एवं पार्टी में सक्रिय रहकर महत्वपूर्ण योगदान दे रहे इमरान संभलशाही को प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दोबारा यह जिम्मेदारी सौंपी है। इमरान संगठन स्तर से टेलीविजन चौनलों तक पार्टी का पक्ष मुखरता से रखते हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने बताया कि पार्टी इमरान जैसे बुद्धिजीवी लोगों को अवसर देती रही है कि वह अपनी कलम और तार्किकता के साथ पार्टी की बात को बड़े मंचों पर रख सकें।

इमरान संभलशाही को हिंदी अकादमी, मुंबई द्वारा साहित्य भूषण सम्मान तथा पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा वामिक जौनपुरी सम्मान सहित कई अन्य सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इनके तीन कविता–संग्रह और एक कहानी–संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं।

हिंदी साहित्य तथा थिएटर एंड फिल्म में मास्टर्स करने वाले इमरान पेशे से शिक्षक हैं और प्रयागराज (इलाहाबाद) में अध्यापन करते हैं। प्रदेश प्रवक्ता बनाए जाने पर इमरान संभलशाही ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

सपा–कांग्रेस का दिल–दिमाग गंदा, नीला कपड़ा पहनने से क्या होगा : मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इन दलों द्वारा नीला रंग अपनाने और नीला कपड़ा इस्तेमाल करने से गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अन्य उपेक्षित वर्गों के प्रति वर्षों से चली आ रही जातिवादी, संकीर्ण, सामंतवादी एवं पूंजीवादी सोच नहीं बदल सकती। मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जारी

एक बयान में कहा कि इन वर्गों के प्रति वास्तव में हित और कल्याण की भावना रखने वालों को अपना दिल और दिमाग साफ करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के पीडीए की बात करने वाले नेताओं की सोच, चाल, चरित्र और चेहरा दोहरा व बईमानी वाला रहा है। उन्होंने कहा कि बसपा अनुशासनहीनता आदि के कारण समय–समय पर जिन लोगों को पार्टी से निकालती है, उनमें से कुछ लोग दूसरी पार्टियां और छोटे–छोटे संगठन बना लेते हैं। ऐसे लोगों को स्वार्थी और अवसरवादी बताते हुए मायावती ने कहा कि वे किसी भी पार्टी के हित में नहीं हो सकते। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि ऐसी पार्टियां बिना किसी गठबंधन के चुनाव नहीं लड़ सकतीं और सत्ता में शामिल हुए बिना सत्ता का सुख नहीं छोड़तीं। उन्होंने दूसरी पाटियों से नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करने की कोशिश करने वालों को पहले अपना गिरेबान झांकने की सलाह दी। मायावती ने कहा कि बसपा से निकाले गए लोगों को दूसरी पार्टी में शामिल करना ऐसा होगा जैसे डूबते जहाज में सवार होना। उन्होंने कहा कि खासकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर और बहुजन समाज के हित में बसपा से दूरी बनाने वाले नेताओं को मौजूदा हालात में पार्टी और समाज के हित को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिस दिन पार्टी ने उन्हें अध्यक्ष पद से हटाकर दूसरी जिम्मेदारी लेने के लिए कहा था, उस दिन उन्होंने दबाव के बावजूद तत्काल संन्यास की घोषणा नहीं की थी। बसपा अध्यक्ष ने बताया कि पूरी रात घटनाक्रम को रोकने के लिए प्रयास किए गए, जिसके बाद अगले दिन सुबह करीब 6रू30 बजे उन्हें संन्यास की घोषणा करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि सही समय आने पर इस पूरे घटनाक्रम के बारे में पार्टी कार्यकर्ताओं को और जानकारी दी जाएगी।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं : GEM/2026/B/8004164 दिनांक : 09.09.2026
ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 30.09.2026 तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-
जेम बिड सं : GEM/2026/B/8004164 दिनांक 09.09.2026
कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल इंजीनियर/चुनार एवं सहायक मण्डल इंजीनियर/मिर्जापुर के अन्तर्गत आपातकालीन मरम्मत कार्यों और अन्य संबद्ध कार्यों सहित सुरक्षा के लिए ट्रैक पर ठंड के मौसम के दौरान रात्रि गश्त का कार्य।
अनुमानित मूल्य (रु) : 97,19,670.6 | अग्रिम धनराशि मूल्य (रु) : 1,94,400
कार्य समापन की अवधि : 03 माह | निविदा बंद होने की तिथि : 30.09.2026
पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : कोई पीडब्ल्यूडी का कार्य।
नोट : - 1. आनलाइन निविदा बंद होने की तिथि तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा बंद होने की तिथि तक उपलब्ध है। 2071/26 (C)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONC

सम्पादकीय........

नस्लीय नफरत का शिकार समाज

भारत जैसे उदार समझे जाने वाले देश में नफरत को इस कदर बढ़ावा दिया जा चुका है कि आम जनता के बीच से ही कुछ लोग हत्या जैसे जघन्य अपराध को करने में नहीं झिझक रहे हैं। राजधानी दिल्ली में बीते दिन मणिपुर के चर्चित गिटारिस्ट और संगीत शिक्षक चोंगथाम विक्रम सिंह की पीट–पीटकर हत्या करने का मामला इसका ताजा उदाहरण है। चोंगथाम विक्रम सिंह का कसूर केवल इतना था कि उन्होंने अपने घर के पास शोर मचा रहे कुछ लोगों को टोका। हो सकता है टोकने का यह मामला हत्या तक नहीं पहुंचता, लेकिन चोंगथाम विक्रम सिंह का पूर्वोत्तर से होना क्या इस हत्या का एक अहम कारक बना है, इस सवाल पर गंभीरता से सोचना होगा। राज्य और केंद्र की सत्ता पर बैठी भाजपा सरकार ने तो इसमें नस्लीय नफरत के नजरिए तो फौरन खारिज कर दिया है। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू, जो खुद पूर्वोत्तर से आते हैं, का कहना है कि इस मामले में राजनीति नहीं करनी चाहिए, चोंगथाम विक्रम सिंह पूर्वोत्तर से हैं, ऐसा न देखकर ये देखना चाहिए कि वे भारतीय थे। ऐसी बात सुनने में तो बहुत आदर्शवादी लगती है और कायदे से होना भी यही चाहिए, लेकिन किरण रिजिजू को ईमानदारी से बताना चाहिए कि क्या मोदी सरकार में ऐसा ही होता है। क्योंकि दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में पूर्वोत्तर के लोगों को लगातार नस्लीय हिंसा या उत्पीड़न का शिकार होना पड़ता है। उत्तराखंड में ही पिछले साल 9 दिसंबर को त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा को चाइनीज और मोमो जैसे अपमानजनक शब्द कहते हुए पीट–पीट कर मार दिया गया था। इसलिए विक्रम सिंह मामले में यह पड़ताल भी करनी ही चाहिए कि इसके पीछे नस्लीय हिंसा थी या नहीं। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने कहा कि दिल्ली में मणिपुर के संगीतकार चोंगथाम विक्रम सिंह की दुखद मौत के लिए जिम्मेदार हमले की घटना से हम लोग बहुत परेशान हैं। इस घटना ने राजधानी में उत्तर–पूर्वी लोगों द्वारा झेली गई क्रूरता के दर्दनाक घावों को एक बार फिर से हरा कर दिया है। इसी तरह मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से गहन जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी समेत सामने आ रहे सबूतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ तेजी से उचित कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित को जल्द न्याय मिलना चाहिए। क्या भाजपा इन लोगों के बयानों को भी राजनीति बताएगी, क्योंकि ये तो एनडीए नेताओं के ही बयान हैं। वैसे ऐसी हरेक घटना पर राहुल गांधी की बात ही याद आती है कि नफरत का केरोसिन छिड़का जा चुका है और चिंगारी लगाने की देर है। कुछ वक्त पहले तक शायद इस चिंगारी को सुलगाने वाले लोगों को कानून का कुछ डर तो रहता ही होगा, लेकिन अब ये बेखौफ आग लगा रहे हैं, क्योंकि ऐसे आपराधिक तत्व कहीं न कहीं आश्वस्त हैं कि सत्ता में बैठे लोग उन्हें बचा ही लेंगे। दिल्ली में एक दलित को पीटने वाले स्वतंत्र भारद्वाज ने यही कहा था कि उसे पुलिस नहीं पकड़ेगी, क्योंकि मोदीजी उसके बड़े भाई हैं। देश में अब हर गली–कूचे में स्वतंत्र भारद्वाज जैसे लोगों का बढ़ जाना समाज के लिए काफी चिंताजनक है। क्योंकि अब बात केवल हिंदू–मुसलमान, दलित–स्वर्ण तक सीमित नहीं रही, समूचे समाज को यह नफरत लील रही है। गौरतलब है कि 54 वर्षीय चोंगथाम विक्रम सिंह पिछले 17 वर्षों से दिल्ली में संगीत सिखाने का काम कर रहे थे। उन्हें मणिपुर के संगीत जगत में एक चर्चित गिटारिस्ट और पश्चिमी संगीत के प्रमुख कलाकारों में गिना जाता था। रविवार रात करीब 11रू30 बजे उन के घर के पास कुछ लोग शोर–शराबा कर रहे थे। इनमें आसपास के ढाबों में काम करने वाले डिलीवरी और पैकेजिंग कर्मचारी भी शामिल थे। चोंगथाम विक्रम सिंह ने उन लोगों से शोर मचाने से मना किया। इसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोप है कि सिंह अपने घर की ओर भागे, लेकिन हमलावरों ने उनका पीछा किया और इमारत की तीसरी मंजिल तक पहुंचकर उनके साथ उनको बेरहमी से पीटा। उनकी पत्नी और बेटे ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में तो लिया है, लेकिन इसके बावजूद उनके परिवार समेत पूर्वोत्तर के लोगों को नाइंसाफी की आशंका है। यही सवाल उठ रहे हैं कि क्या गिरफ्तारी के साथ–साथ पूर्वोत्तर के नागरिकों की सुरक्षा और नस्ली भेदभाव से जुड़ी व्यापक समस्या पर भी सरकार ठोस कार्रवाई करेगी? क्योंकि अब तक ऐसी कोई मिसाल मोदी सरकार ने नहीं दी है। नरेन्द्र मोदी को अपने प्रचार कार्यक्रमों में व्यस्त हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एक पिता की अपने ही घर के बाहर, देश की राजधानी में हत्या कर दी गई।

सिमोन द बुवा के देश में नारी उत्पीड़न

डॉ. दीपक पाचपोर

अक्षरधाम मंदिर इसी संस्था का है। हाल ही में फ्रांस की राजधानी पेरिस में बीएसपीएस के एक मंदिर का उद्घाटन हुआ। जिस पर खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हार्दिक खुशी जाहिर की थी।

सर्वमित्रा सुरजन

20वीं सदी के फ्रांस में वैश्विक नारीवाद की अहम किरदार थीं– सिमोन द बुवा। नारी सशक्तिकरण पर उनके मौलिक और क्रांतिकारी विचारों पर दुनिया में आज भी मंथन होता है। सिमोन द बुवा की सुप्रसिद्ध किताब है द सेकंड सेक्स। इस किताब में सिमोन कहती हैं कि औरत पैदा नहीं होती है, बल्कि समाज औरत को गढ़ता है। वह बार–बार इस पर जोर देती हैं कि हमारा धर्म, हमारी संस्कृति, हमारा समाज, लड़कियों को मजबूर करता है स्त्रैण बनने के लिए। सिमोन का कहना है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे धर्म में औरतों की भी पूजा होती है। धर्म तो वास्तव में आदमियों के द्वारा बनाया हुआ एक तरीका है औरतों पर शासन करने का। फ्रांस ने दुनिया को केवल सिमोन द बुवा जैसी अद्भुत नारीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता ही नहीं दी, बल्कि उनसे पहले फ्रांसीसी क्रांति ने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का अद्भुत विचार दुनिया को दिया। यही लोकतंत्र की नींव बना और भारत के संविधान की बुनियाद भी इसी पर टिकी है। अब इसी फ्रांस में मानवता के लिए जरूरी इन मूल्यों पर कुठाराघात करने का काम किया है बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था यानी बीएपीएस ने। पाठकों को बता दूं कि गुजरात के बोचासन से इस संस्था का संबंध है। अक्षरधाम मंदिर इसी संस्था का है। हाल ही में फ्रांस की राजधानी पेरिस में बीएसपीएस के एक मंदिर का उद्घाटन हुआ। जिस पर खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हार्दिक खुशी जाहिर की थी। इस संस्था के कहां कितने मंदिर बनते हैं यह अलग मुद्दा है। लेकिन ध्यान देने वाली बात ये है कि इस संप्रदाय में महिला से दूरी बनाए रखने, महिला के साथ अकेले में बात न करने आदि के नियम बनाए गए हैं, जिसका पालन इससे जुड़े लोग करते हैं। यह भी उनका निजी मामला है कि वे महिला से बात करें न करें। लेकिन पेरिस में मंदिर उद्घाटन के लिए संस्था का जो प्रतिनिधि मंडल पेरिस गया था, उसमें करीब 100 लोग एफिल टावर देखने पहुंचे तो उनके कहने पर वहां पहले बाकायदा महिला कर्मचारियों को हटाया गया। एफिल टावर की कर्मचारी यूनियन की प्रतिनिधि डायने डावोइन के अनुसार, जब प्रतिनिधि मंडल टावर के अंदर से गुजर रहा था, तब महिला कर्मचारियों को उनके कार्यस्थलों से हटने के लिए कहा गया ताकि उनकी जगह पुरुष कर्मचारी खड़े हो सकें। कर्मचारियों का आरोप है कि कुछ महिलाओं को अपनी पोस्ट छोड़कर दूसरे हिस्सों में जाने के लिए कहा गया, जबकि कुछ स्थानों पर उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। महिला कर्मचारियों को प्रतिनिधि मंडल की मौजूदगी के दौरान कुछ खास इलाकों में जाने या उन्हें पार करने से भी रोका गया। जिस फ्रांस में सिमोन द बुवा ने पुरुष और स्त्री समानता की मशाल बुलंद की, धार्मिक व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई, उसी फ्रांस में सौ साल बाद लैंगिक भेदभाव की ऐसी घटना घटी, यह किसी ने नहीं सोचा होगा। इस घटना से आहत एफिल टावर के कर्मचारियों ने सोमवार को प्रदर्शन किया, जिसके चलते टावर को आगंतुकों के लिए बंद रखना पड़ा। गौरतलब है कि एफिल टावर दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है और इसकी वेबसाइट के अनुसार यहां हर साल करीब 70 लाख लोग आते हैं। फिलहाल पेरिस के मेयर इमैनुएल ग्रेगोआर ने मामले की जांच कराने की घोषणा की है। जबकि एफिल टावर का संचालन करने वाली कंपनी एसईटीई ने माना कि हिंदू प्रतिनिधि मंडल की ओर से महिलाओं के साथ बातचीत या संपर्क को सीमित रखने की मांग की गई थी। कंपनी ने कहा कि ऐसी शर्तों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था। एसईटीई के अध्यक्ष एरियल वेल ने इसे अस्वीकार्य बताया और कहा कि एफिल टावर फ्रांस के गणतांत्रिक मूल्यों तथा महिला और पुरुषों की समानता के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था उसके मूल्यों और लैंगिक समानता के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं थी तथा मामले में जांच की जाएगी। वहीं फ्रांस की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष याएल ब्राउन–पिवे ने भी घटना की आलोचना की। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों की मांग पूरी करने के लिए महिलाओं को पीछे हटने या सार्वजनिक जीवन से अदृश्य होने के लिए नहीं कहा जा सकता। उनका कहना था कि दूसरे लोगों का स्वागत करने का अर्थ यह नहीं है कि फ्रांस अपने मूल्यों से समझौता करे। फ्रांस की समानता मंत्री ऑरोर बर्जे ने भी कहा कि फ्रांस में महिलाओं से खुद को शमिंदा महसूस करने या पीछे हटने के लिए नहीं कहा जाता और कोई भी धार्मिक विचार गणराज्य के कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता। फ्रांसीसी सरकार को यह देखने की भी जरूरत है कि उनके भीतर ऐसे कौन लोग बैठे हैं जिन्होंने महिला से दूर रहने जैसे संकीर्णतावादी विचार को बढ़ावा देने में मदद की। बीएपीएस का तो कहना है कि उसका प्रतिनिधि मंडल बड़ा था, इसलिए उसने एफिल टावर में व्यवस्था को बदलने कहा, लेकिन उसमें लैंगिक भेदभाव की बात नहीं थी। लेकिन जब टावर संचालन करने वाली कंपनी ही मान रही है कि बीएसपीएस की शर्तों को नहीं मानना चाहिए था, तो जरूर कहीं न कहीं लैंगिक भेदभाव हुआ ही होगा। बहरहाल फ्रांस तो इस मामले की जांच अपनी तरह से कर ही लेगा और जिस देश की बुनियाद उदार मानवतावादी मूल्यों पर पड़ी हो, वह खुद को दुरुस्त कर भी लेगा।

असलियत से ज्यादा गणितीय हो सकती है भारत की तेज विकास दर

नन्तू बनर्जी

ऊर्जा की कीमतों में लगातार उतार–चढ़ाव, क्षेत्रीय आपूर्ति में रुकावट, कम निवेश और बढ़ते व्यापार प्रतिबंधों की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है। ऐसे में वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत की रिकॉर्ड वास्तविक जीडीपी विकास दर कुछ ज्यादा ही अच्छी लग रही है। आर्थिक नजरिए से भारत में वित्त वर्ष की पहली तिमाही को आम तौर पर धीमी विकास वाला समय माना जाता है। देश की आधिकारिक आर्थिक विकास दर ने पहली बार एक बड़ा राजनीतिक और आर्थिक विवाद खड़ा कर दिया है। जीडीपी की तेज विकास घरेलू निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने जैसे कमजोर संकेतकों को नहीं दिखाती है। यह जमीनी हकीकत को भी नहीं दिखाती है, जैसे कि ऊर्जा और खाद की ज्यादा कीमतें, जो लगभग सभी सामान, औद्योगिक उत्पादों और लोगों की खपत की कीमतों पर असर डाल रही हैं। महंगाई को हटाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले इम्प्लिसिट प्राइस डिफ्लेटर–खासकर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नकारात्मक डिफ्लेटर ने असली महंगाई को कम करके दिखाया है। आम नजरिए से, बताई गई तेज आर्थिक विकास दर असलियत में ज्यादा गणितीय लग सकती है। देश की वास्तविक जीडीपी विकास दर दुनिया के रुझान के बिल्कुल उलट है। ओईसीडी ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक के विस्तृत अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार, दुनिया की आर्थिक विकास दर 2026 में धीमी होकर अनुमानित 2.6 प्रतिशत से 2.7 प्रतिशत हो रही है, जो पिछले सालों की तुलना में कम है। यह सुस्ती मुख्य रूप से ऊर्जा की कीमतों में लगातार उतार–चढ़ाव, क्षेत्रीय आपूर्ति में रुकावट, कम निवेश और बढ़ते व्यापार प्रतिबंधों के कारण है। ये कारक आम तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी असर डाल रहे हैं। इस साल दुनिया की आर्थिक विकास दर पर मुख्य दबाव ऊर्जा के झटकों, बढ़ते व्यापार अवरोधों और ज्यादा कर्ज और उधार का है। भू–राजनीतिक संघर्षों ने, खासकर पश्चिम एशिया में, ईंधन और गैस की आपूर्ति को कम कर दिया है, जिससे सभी स्तरों पर उत्पादन और खपत की लागत बढ़ गई है और महंगाई को बढ़ावा मिला है। एकतरफा टैरिफ उपायों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बिखराव ने सामान के व्यापार की मात्रा के अनुमानों को कम कर दिया है। उधार लेने की ज्यादा लागत राजकोषीय गुंजाइश को सीमित कर रही है, खासकर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, मार्च 2026 के आखिर में भारत का कुल विदेशी कर्ज 762.8 अरब तक पहुंच गया, जो पिछले साल के मुकाबले +26.3 अरब ज्यादा है। इससे कर्ज–जीडीपी अनुपात 20.8 प्रतिशत हो गया, जो कुल विदेशी देनदारियों में बढ़ोतरी को दिखाता है। ऊंची ब्याज दरों और व्यापार में बदलावों की वजह से अमेरिकी जीडीपी की विकास दर धीमी होकर लगभग 1.5–2.0 प्रतिशत रह गई है। ऊर्जा पर ज्यादा निर्भरता और स्थानीय औद्योगिक रुकावटों के कारण यूरो क्षेत्र की आर्थिक विकास दर 0.5 से 1.3 प्रतिशत के आसपास सुस्त बनी हुई है। घरेलू संरचनात्मक बदलावों के बीच चीन की अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होकर लगभग 4.5–4.6 प्रतिशत हो गई है। मौजूदा साल में, दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं –अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान और यूके – 2.5 प्रतिशत से कम की बहुत धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही हैं, जबकि छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत, 2026–27 की पहली तिमाही (अप्रैल–जून) में 7.8 प्रतिशत की मजबूत वास्तविक जीडीपी दर दिखा रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी को 81.36 लाख करोड़ आंका, जो वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 75.46 लाख करोड़ था। इससे 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर मिली, जो रिजर्व बैंक के 2026–27 के लिए 6.7 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। स्वतंत्र विश्लेषक और आलोचक बताते हैं कि आधार वर्ष बदलने, पुराने डेटा में संशोधन करने और पुराने आंकड़ों को नए इंडेक्स तरीकों के साथ मिलाने से साल–दर–साल प्रतिशत के नतीजों में बढ़ोतरी दिख सकती है।

जानबूझकर विपक्ष खराब कर रहा देश की छवि

उमेश चतुर्वेदी

पश्चिमी एशिया और रूस–यूक्रेन की लड़ाई के चलते दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खा रही हैं। ऐसे में जब यह आंकड़ा आए कि देश की जीडीपी की विकासदर 7.8 प्रतिशत रही है तो अव्वल तो खुशी का माहौल होना चाहिए था। लेकिन इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद की बुनियाद बना है पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग का दावा। उनका कहना है कि जीडीपी आधार को 86 लाख करोड़ से घटाकर 80 लाख करोड़ कर दिया है। इस लिहाज से यह दर शून्य से लेकर 2.6 प्रतिशत तक ही बैठती है। सरकार के आंकड़ों की कोई पूर्व रसूखदार अधिकारी खिल्ली उड़ाए और उसे विपक्ष न ले उड़ता तो हैरत ही होती। लेकिन ऐसा हो रहा है। इसकी वजह यह है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ी वैचारिक खाई निजी खुन्नस और दुश्मनी तक पहुंच गई है। इस वजह से दोनों ही पक्षों में एक–दूसरे को लेकर भरोसे का रिश्ता नहीं रह गया है। यही वजह है कि देश को जोड़ने और आगे बढ़ाने वाले जब भी कोई मुद्दा या आंकड़ा सामने आता है, विपक्ष उसकी विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े करने लगता है। ऐसा नहीं कि अतीत में विपक्ष सरकार को नहीं घेरता रहा है। लेकिन तब भी यह ध्यान रखा जाता था कि राष्ट्रीय हितों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को लेकर ऐसे कदम न उठाए जाएं या ऐसे बयान न दिए जाएं, जिससे देश की छवि पर आंच पहुंचे। अगर ऐसा नहीं होता तो मानवाधिकार के मामले पर नेता प्रतिपक्ष पाकिस्तान की मुखालफत करने के लिए जेनेवा जाने वाले सरकारी दल की अगुआई नहीं करता। पीवी नरसिंह राव की सरकार ने तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी को ना सिर्फ भारतीय प्रतिनिधिमंडल दल का नेता बनाकर भेजा था, बल्कि पाकिस्तान के इरादे को नेस्तनाबूद करके लौटे प्रतिनिधिमंडल का प्रोटोकाल तोड़कर दिल्ली के हवाई अड्डे पर स्वागत भी किया था। भारत ने जब–जब परमाणु परीक्षण किया, तत्कालीन विपक्ष उसके साथ रहा। वाजपेयी के पोखरण परीक्षण के बाद तो अमेरिका ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे, लेकिन कांग्रेस ने तब भी वाजपेयी सरकार पर सवालिया निशान नहीं लगाए थे। लेकिन आज के दौर में अगर मोदी सरकार ऐसा कोई परीक्षण करती है तो उससे आज का विपक्ष सबूत मांगेगा। यह भी हो सकता है कि विदेशी धरती पर जाकर राहुल गांधी इसका प्रत्यक्ष सबूत और परीक्षण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी मांग दें। ठीक इसी तरह जीडीपी के आंकड़ों को लेकर भी मोदी सरकार को झूठा ठहराने की कोशिश हो रही है। चीन गलवान कांड के दौरान भारतीय सीमावर्ती कमांड के चीफ रहे जनरल को बर्खास्त कर देता है, फिर भी राहुल गांधी की अगुआई में विपक्ष अब भी प्रचारित करने से परहेज नहीं कर रहा है कि गलवान घाटी में भारतीय सेना को चीन ने हराया और चीन भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। ऐसी बयानबाजी अगर एक–दो बार होती तो उसे अनदेखा भी किया जा सकता था। लेकिन विपक्ष, विशेषकर राहुल गांधी की ओर से बार–बार ऐसे बयान दिए जाते हैं, जिसका संकेत तो यही लगता है कि वे भारत की छवि को खराब कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की इस प्रवृत्ति को राष्ट्रीयता बनाम राजनीति के बहस के दायरे में लाकर राहुल गांधी पर सवालों की बौछार करती रहती है। यह बात और है कि ऐसे ही बयान देने या उनका समर्थन करने वाले अखिलेश यादव और चंद्रशेखर रावण जैसे नेताओं के बयानों को नोटिस तक नहीं लेती। वैसे विदेशों में भारतीय व्यवस्था पर बार–बार सवाल उठाया गया है। मसलन राहुल गांधी ने बोस्टन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। तब उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग श्कंप्रोमाइज्डश है और इसके सिस्टम में श्बहुत गलतश है। हालांकि चुनाव आयोग ऐसे आरोपों का जवाब देता रहा, लेकिन विपक्ष की जुबान नहीं रुकी। इसी तरह बीते लोकसभा चुनाव के बाद अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में राहुल ने कहा था, श्भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा हुआ है, अब यह लड़ रहा है।' इसी तरह सितंबर 2023 में राहुल ने यूरोपीय यूनियन को संबोधित करते हुए ब्रसेल्स में कहा था कि भारत में भेदभाव और हिंसा बढ़ रही है। इस तरह के बयानों से राहुल जहां भारत के आंतरिक मामलों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाते रहे हैं, वहीं इसके जरिए वे भारतीय संस्थाओं को खुद ही बदनाम करते हैं। इसी तरह मई 2022 में लंदन में श्आइडियाज फॉर इंडियाश सम्मेलन में राहुल ने कहा था कि भारतीय संस्थाएं श्परजीवीश बन गई हैं। तब उन्होंने भारतीय संस्थाओं मसलन सीबीआई और ईडी को श्डीप स्टेटश कह दिया था। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत की तुलना पाकिस्तान से भी कर दी। राहुल ने 2018 में सिंगापुर के ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में कहा था कि भारत में श्डर और नफरतश का माहौल है और बहुलता की विचारधारा खतरे में है। इसी तरह जनवरी 2018 में बहरीन में प्रवासी भारतीयों के सम्मेलन में राहुल ने कहा था कि सरकार बेरोजगारी से निपटने में नाकाम रही है। जिसका असर गुस्से और नफरत के रूप में दिख रहा है। इसी तरह 2017 में उन्होंने अमेरिका में कहा था कि भारत अब वह नहीं रहा, जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। ऐसे बयानों से अक्सर वे भारत को ही सवालों के घेरे में रखते हैं और इस तरह देश की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। उनके ऐसे बयानों को बाद में समूचा विपक्ष और ले उड़ता है और जगह–जगह भारतीय छवि को नुकसान पहुंचाता है। कुछ ऐसा ही इस बार जीडीपी को लेकर हो रहा है। दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासी 1991 के बाद के दौर इस वक्त याद आना लाजमी है। राजीव गांधी की हत्या के बाद उपजी सहानुभूति के बावजूद कांग्रेस को आम चुनाव में बहुमत नहीं मिला। तब नरसिंह राव की अगुआई में कांग्रेस की अल्पमत की सरकार चलती रही। उस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 120 सीटें मिलीं थीं। इतनी ताकत के बावजूद बीजेपी ने आर्थिक सुधार के मोर्चे पर कांग्रेस की सरकार को बहुत सहयोग किया। सहयोग करने के लिए बीजेपी ने संसद की कार्यवाही से बहिर्गमन करने का रास्ता चुना था। मुद्दों पर वह सरकार को सदन में घेरती थी, लेकिन जब भी मतदान की नौबत आती, बीजेपी बाहर निकल जाती थी। इस तरह बीजेपी विरोध भी करती थी और सरकार का परोक्ष साथ भी देती थी। लेकिन आज की स्थिति देखिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष में भरोसे का रिश्ता ही नहीं रहा है। विपक्ष सिर्फ तीर साधे रहता है और उसकी अगुआई अक्सर राहुल गांधी करते हैं। बाकी विपक्ष उनके साथ कोरस गान में शामिल हो जाता है। वाजपेयी की अगुआई वाली सरकार ने जब परमाणु परीक्षण किया था, तब कांग्रेस ने भी कमोबेश साथ दिया था। जबकि आज की तुलना में अमेरिका ने भारत विरोध में कहीं ज्यादा कड़े कदम उठाए थे।

प्रीति जिंटा का बड़ा बयान: आज पैपराजी संस्कृति और सोशल मीडिया के दबाव में काम कर रहे कलाकार

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने कहा कि आज के कलाकारों पर पहले की तुलना में अधिक दबाव है। बढ़ती पैपराजी संस्कृति और सोशल मीडिया की दखलअंदाजी के कारण उन्हें लगातार कड़ी सार्वजनिक निगरानी का सामना करना पड़ता है, जिससे पहले के कलाकारों को नहीं जूझना पड़ता था। अभिनेत्री जिंटा वर्ष 2016 में शादी के बाद अमेरिका जाकर बस गईं थीं। वह अपनी आगामी जासूसी हास्य फिल्म "वाइब" के प्रचार के लिए मुंबई लौटीं जिसमें वह कुणाल खेमू के साथ दिखाई देंगी। फिल्म "वाइब" में जिंटा जासूस मैडम एच की अनोखी भूमिका में नजर आएंगी। सनी देओल के साथ उनकी

> अभिनेत्री जिंटा वर्ष २०१६ में शादी के बाद अमेरिका जाकर बस गईं थीं। वह अपनी आगामी जासूसी हास्य फिल्म "वाइब" के प्रचार के लिए मुंबई लौटीं जिसमें वह कुणाल खेमू के साथ दिखाई देंगी। फिल्म "वाइब" में जिंटा जासूस मैडम एच की अनोखी भूमिका में नजर आएंगी। सनी देओल के साथ उनकी विभाजन पर आधारित फिल्म "बंटवारा १९४७" की रिलीज के कुछ ही सप्ताह बाद यह सिनेमाघरों में आएगी।

विभाजन पर आधारित फिल्म "बंटवारा 1947" की रिलीज के कुछ ही सप्ताह बाद यह सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म में वह दो अनाड़ी दोस्तों को एक बेहद महत्वपूर्ण गुप्त मिशन के लिए भर्ती कर उन्हें प्रशिक्षण देने वाली जासूस की भूमिका निभा रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि फिल्मों में वापसी के बाद सबसे बड़ा सांस्कृतिक बदलाव उन्हें क्या लगा, तो उन्होंने कहा कि अब अभिनय में फिल्म के सेट से बाहर की चीजों से भी निपटना शामिल है। जिंटा ने पीटीआई–को दिए एक साक्षात्कार में कहा, "मेरे लिए सबसे बड़ा सांस्कृतिक बदलाव फिल्मों से जुड़ा नहीं है, बल्कि फिल्मों के आसपास की चीजों से जुड़ा है। जैसे, पैपराजी और सोशल मीडिया की दखलअंदाजी। पहले हमें सिर्फ सेट पर जाकर अभिनय करना होता था और काम खत्म करना होता था। अब, यहां आप कैसे कपड़े पहनते हैं, यह महत्वपूर्ण है, एयरपोर्ट पर आपका पहनावा कैसा है, यह भी महत्वपूर्ण है। अगर आप दुखी हैं, तो आपको भी फैशनेबल तरीके से दुखी दिखना है और अगर आप खुश हैं, तो आपको फैशनेबल तरीके से खुश दिखना है।" कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ने अपने निर्माण बैनर ड्रोंगो फिल्म्स के तहत, अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के सहयोग से इस फिल्म का निर्माण किया है। "वाइब" 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कुणाल खेमू के साथ स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर भी अभिनय कर रहे हैं।

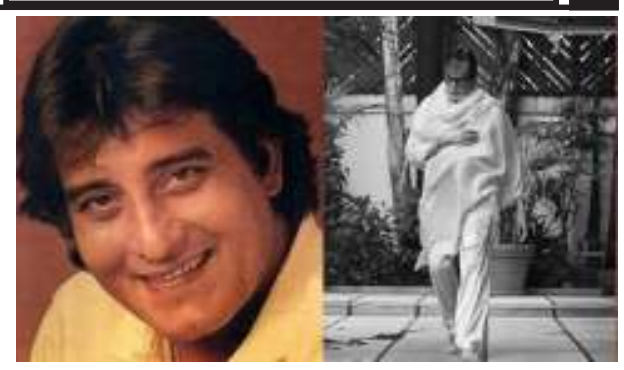

सेट पर बंद हुआ कैमरा, बहने लगा खून... जब अमिताभ बच्चन की वजह से अस्पताल पहुंच गये थे विनोद खन्ना, बॉलीवुड की सबसे बड़ी जंग!

हाल ही में सोशल मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (।प्) और चौटजीपीटी (बिंजळच्ज) का श्80 के दशक का रेट्रो/वायरल लुकश ट्रेंड छाया हुआ है, जहां हर कोई खुद को उस दौर के चमकीले कपड़ों, बड़ी जुल्फों और विंटेज स्टाइल में देखना पसंद कर रहा है। लेकिन अगर हम डिजिटल दुनिया के इस काल्पनिक ट्रेंड से हटकर असल जिंदगी के पन्नों को पलटें, तो सत्तर के दशक का बॉलीवुड सच में अपनी तरह का सबसे अनूठा और रंगीन दौर था। वह एक ऐसा स्वर्णिम समय था जब बड़े पर्दे पर एंग्री यंग मैन की दहाड़ और स्क्रीन पर दो बड़े सितारों का आमना–सामना दर्शकों के रोंगटे खड़े कर देता था। इस दौर की सबसे ब्लॉकबस्टर और प्रतिष्ठित जोड़ियों में से एक थीकृअमिताभ बच्चन और विनोद खन्ना। श्अमर अकबर एंथनीश, श्मुकद्दर का सिकंदरश, श्हेरा फेरीश और श्परवरिशश जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में दोनों ने साथ काम किया। पर्दे पर दोनों की केमिस्ट्री जितनी जानदार थी, पर्दे के पीछे उनकी प्रतिद्वंद्विता (त्पअंसतल) और एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़ भी उतनी ही दिलचस्प थी। इसी स्टारडम की रेस के बीच एक ऐसा दिन भी आया जब प्रकाश मेहरा की फिल्म के सेट पर दोनों सुपरस्टाट्र्स के बीच अचानक ऐसा टकराव हुआ जिसने पूरे बॉलीवुड को हिलाकर रख दिया। अमर अकबर एंथनी, मुकद्दर का सिकंदर, हेरा फेरी और परवरिश जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में दोनों ने साथ काम किया। पर्दे पर दोनों की केमिस्ट्री जितनी जानदार थी, पर्दे के पीछे उनकी प्रतिद्वंद्विता (त्पअंसतल) और एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़ भी उतनी ही दिलचस्प थी। लेकिन इसी स्टारडम की रेस के बीच एक ऐसा दिन भी आया जब प्रकाश मेहरा की फिल्म के सेट पर दोनों सुपरस्टाट्र्स के बीच अचानक ऐसा टकराव हुआ जिसने पूरे बॉलीवुड को हिलाकर रख दिया।

फिल्म मुकद्दर का सिकंदर और वह खौफनाक फाइट सीन

यह किस्सा है साल 1978 में आई ऐतिहासिक फिल्म श्मुकद्दर का सिकंदरश की शूटिंग का। प्रकाश मेहरा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अमिताभ बच्चन (सिकंदर) और विनोद खन्ना (विशाल) मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म में एक एक्शन–ड्रामा सीन शूट होना था, जहां दोनों किरदारों के बीच एक गंभीर बहस के बाद हाथापाई और हातापाई में तब्दील होती जंग दिखाई जानी थी। स्क्रिप्ट के मुताबिक, सीन कुछ ऐसा था कि अमिताभ बच्चन को गुस्से में आकर पास रखी एक लकड़ी की भारी कुर्सी विनोद खन्ना की तरफ फेंकनी थी और विनोद खन्ना को फुर्ती से झुककर खुद को उस कुर्सी के वार से बचाना था।

जब टाइमिंग चूकी और सेट पर फैल गया सन्नाटा

शूटिंग शुरू हुई, कैमरा रोल हुआ और दोनों अभिनेताओं ने अपने–अपने डायलॉग्स बेहद आक्रामकता और जीवंतता के साथ बोले। डायरेक्टर के एक्शन कहते ही अमिताभ बच्चन ने सीन की मांग के अनुसार पूरे गुस्से में लकड़ी की कुर्सी विनोद खन्ना की तरफ फेंकी। लेकिन, दुर्भाग्य से टाइमिंग में थोड़ी सी चूक हो गई!

विनोद खन्ना जब तक झुक पाते, भारी लकड़ी की कुर्सी सीधे आकर उनके चेहरे पर लगी। कुर्सी का कोना उनके ठोड़ी (बिपद) पर इतनी जोर से लगा कि उनका चेहरा लहूलुहान हो गया। विनोद खन्ना दर्द से कराह उठे और तुरंत जमीन पर बैठ गए।

सेट पर अचानक चीख–पुकार मच गई और कुछ ही सेकेंडों में सन्नाटा छा गया। क्रू मेंबर्स, निर्देशक प्रकाश मेहरा और खुद अमिताभ बच्चन बुरी तरह घबरा गए।

अमिताभ की घबराहट और अस्पताल का चक्कर

हादसे के तुरंत बाद शूटिंग रोक दी गई। विनोद खन्ना के चेहरे से खून बह रहा था और उनकी ठोड़ी पर गहरा कट लग गया था। अमिताभ बच्चन तुरंत भागकर विनोद खन्ना के पास पहुंचे और उनसे बार–बार माफी मांगने लगे। अमिताभ को इस बात का गहरा मलाल था कि उनकी वजह से उनके साथी कलाकार को इतनी गंभीर चोट लगी। विनोद खन्ना को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनके चेहरे पर टांके (जपजबीमे) लगाने पड़े। आज भी अगर आप श्मुकद्दर का सिकंदरश या उसके बाद की विनोद खन्ना की फिल्में ध्यान से देखें, तो उनकी ठोड़ी पर उस हादसे का निशान साफ नजर आता है।

हादसा या पेशेवर प्रतिद्वंद्विता? अफवाहों का बाजार हुआ गर्म

इस घटना के बाद बॉलीवुड के गॉसिप कॉरिडोर में अफवाहों का तूफान आ गया। उस दौर में विनोद खन्ना इकलौते ऐसे अभिनेता थे जो अमिताभ बच्चन के एकछत्र राज और स्टारडम को सीधी टक्कर दे रहे थे।

क्या हैवान में मोहनलाल का कैमियो है? जानिए सैफ अली खान के साथ उनके किरदार का क्या खास कनेक्शन है

प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म हैवान आज, 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। सैफ अली खान और अक्षय कुमार स्टारर यह फिल्म सस्पेंस, थ्रिलर और एक्शन से भरपूर है, जिसमें सैफ ने अंधे व्यक्ति श्श्याम राणेश का किरदार निभाया है, जबकि अक्षय कुमार खूंखार विलेन श्परशुरामश के रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म में कई ट्विस्ट और टर्न्स हैं, लेकिन इसका सबसे बड़ा सरप्राइज क्लाइमेक्स के बाद आता है, जिसका दक्षिण भारतीय सुपरस्टार मोहनलाल के फैंस को बेसब्री से इंतजार था।

क्लाइमेक्स से पहले मोहनलाल की एंट्री

फ़िल्म के आखिर में मोहनलाल अचानक नज़र आते हैं। वे काले चश्मे पहने और हाथ में छड़ी लिए दिखाई देते हैं। यह एंट्री इसलिए खास है क्योंकि फ़िल्म की कहानी में अंधेपन की अहम भूमिका है। इसी वजह से मोहनलाल की एंट्री दर्शकों के मन में एक बड़ा सवाल खड़ा करती हैरू वे फ़िल्म में कौन सा किरदार निभा रहे हैं? इसका जवाब फ़िल्म के बिल्कुल आखिरी सीन में मिलता है। सैफ अली खान की तरह, मोहनलाल भी एक अंधे व्यक्ति के रूप में नज़र आते हैं। क्लाइमेक्स के बाद, वे सैफ और एक छोटी बच्ची के साथ सड़क किनारे खड़े दिखाई देते हैं। यहीं पर एक छोटा लेकिन यादगार सीन होता है। बच्ची मोहनलाल से पूछती है, क्या आप भी देख नहीं सकते?

हैवान के अंत का मतलब

इस सीन में, बच्ची मोहनलाल से पूछती है कि क्या वे देख नहीं सकते। तब मोहनलाल अपना चश्मा उतारते हैं और पूछते हैं कि और कौन नहीं देख सकता। सैफ अली खान जवाब देते हैं कि वे भी नहीं देख सकते। इसी बीच, ट्रैफिक सिग्नल बदल जाता है। लाइट हरी होने के बाद, बच्ची दोनों अंधे किरदारों की छड़ी पकड़ती है और उन्हें सड़क पार करने में मदद करती है। इस छोटे से सीन में सैफ और मोहनलाल के किरदारों को एक साथ देखना फ़ैंस के लिए एक खास पल बन जाता है। फ़िल्म में मोहनलाल का रोल लंबा नहीं है, लेकिन उनका कैमियो सीधे कहानी के मुख्य हिस्से से जुड़ा है।

मोहनलाल श्ओप्पमश में मुख्य हीरो थे

फ़िल्म में मोहनलाल की खास उपस्थिति का कनेक्शन ओरिजिनल मलयालम फ़िल्म श्ओप्पमश से है। प्रियदर्शन ने 2016 में ओप्पम का निर्देशन किया था, जिसमें मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फ़िल्म में उन्होंने जयरामन का किरदार निभाया था, जो एक अंधा केयरटेकर होता है और एक मर्डर केस में मुख्य संदिग्ध बन जाता है। श्हैवानश में सैफ अली खान का श्याम राणे वाला किरदार, असल फिल्म के उसी रोल का हिंदी अडैप्टेशन है। हालांकि, हिंदी वर्ज़न में मोहनलाल को लीड रोल देने के बजाय, प्रियदर्शन ने उन्हें कहानी में एक स्पेशल कैमियो के ज़रिए शामिल किया है।

प्रियदर्शन ने बताया कि उन्होंने मोहनलाल को कैमियो के लिए कैसे मनाया

प्रियदर्शन ने पहले ही मोहनलाल के कैमियो का इशारा दे दिया था। एक इंटरव्यू में डायरेक्टर ने बताया कि जब उन्होंने मोहनलाल से पूछा कि क्या वह यह रोल करेंगे, तो एक्टर शुरू में तैयार नहीं थे। प्रियदर्शन के मुताबिक, मोहनलाल ने उनसे पूछा कि वह असल फिल्म के हीरो थे और अब उनसे क्या करने के लिए कहा जा रहा है। हालांकि, जब मोहनलाल ने पूरी कहानी सुनी, तो वह तुरंत मान गए। प्रियदर्शन ने कहा कि आखिर में एक्टर ने बस इतना कहा कि वह यह रोल करेंगे।

मोहनलाल का कैमियो क्यों खास है?

हैवान में मोहनलाल का होना न सिर्फ़ फ़ैन्स के लिए एक सरप्राइज़ है, बल्कि यह फ़िल्म और उसकी मलयालम ओरिजिनल फ़िल्म के बीच एक दिलचस्प कनेक्शन भी बनाता है। जहाँ ओप्पम में कहानी मोहनलाल के इर्द–गिर्द घूमती थी, वहीं हैवान में सैफ अली खान अंधे व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। क्लाइमैक्स के बाद मोहनलाल और सैफ को एक साथ देखना फ़ैन्स के लिए ज़िम्मेदारी सौंपने (पासिंग–द–बैटन) जैसा पल लगता है। भले ही मोहनलाल का कैमियो कुछ ही मिनटों का है, लेकिन यह सीन फ़िल्म के सबसे यादगार पलों में से एक बन सकता है।

फिल्म 'व्वान' का भक्तिमय गाना 'छठी मैया' आउट! तमन्ना भाटिया और विशाल मिश्रा की जोड़ी ने जीता दिल

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की आगामी पैन–इंडिया लोककथा फैंटेसी एडवेंचर फिल्म श्व्वानश (टअंद) का नया गाना श्छठी मैयाश रिलीज हो चुका है। रिलीज होते ही इस गाने ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। मुख्यधारा के हिंदी सिनेमा में पहली बार पूर्वांचल और बिहार के सबसे पवित्र पर्व छठ पूजा को इतने भव्य और भक्तिमय अंदाज में दिखाए जाने पर प्रशंसक काफी भावुक नजर आ रहे हैं। यह गाना न केवल धार्मिक आस्था और भक्ति पर आधारित है, बल्कि फिल्म की कहानी की श्वन देवीश की शक्ति को छठ मैया के प्रति अटूट विश्वास से जोड़ता है।

3 मिनट 30 सेकंड में आस्था और चमत्कार का संगम

विशाल मिश्रा द्वारा गाए और कंपोज किए गए इस गाने को कौशल किशोर ने लिखा है, जबकि कोरियोग्राफी चिन्नी प्रकाश ने की है। कहानी में मोड़रू 3 मिनट 30 सेकंड लंबे इस गाने की शुरुआत में सिद्धार्थ मल्होत्रा, तमन्ना के किरदार की आस्था पर सवाल उठाते हैं, लेकिन तमन्ना छठ पर्व की कठिन साधना करने की जिद पर अड़ी रहती हैं। पारंपरिक घाट और रस्मेंरू वीडियो में तमन्ना को पारंपरिक परिधान में अन्य महिलाओं के साथ नदी के घाट पर छठ पूजा की रस्में निभाते हुए दिखाया गया है। इमोशनल ट्विस्टरू गाने के अंत में तमन्ना के साथ एक अप्रत्याशित हादसा होता है, जिसके बाद एक चमत्कार देखने को मिलता है और पात्रों का विश्वास फिर से बहाल हो जाता है। छठी मैया गाने को विशाल मिश्रा ने गाया और कंपोज़ किया है, इसके बोल कौशल किशोर ने लिखे हैं और कोरियोग्राफ़ी चिन्नी प्रकाश ने की है। 3 मिनट 30 सेकंड के इस गाने में सिद्धार्थ, तमन्ना की आस्था पर सवाल उठाते हैं, जबकि तमन्ना छठ पूजा में शामिल होने की ज़िद करती हैं। इसके बाद वीडियो में तमन्ना को दूसरी महिलाओं के साथ छठ पूजा करते हुए दिखाया गया है। यह गाना आस्था से जुड़ा है और छठ के दौरान पूजी जाने वाली देवी को समर्पित है, जो त्योहार की भावनात्मक गहराई को दिखाता है। वीडियो का अंत तमन्ना के साथ हुए एक हादसे से होता है, जिसके बाद कपल एक चमत्कार देखता है जिससे उनकी आस्था फिर से बहाल हो जाती है।

सोशल मीडिया यूज़र्स की प्रतिक्रिया

गाने पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूज़र ने कहा, फिल्म व्वान में बॉलीवुड की बड़ी स्क्रीन पर छठ पूजा का दृश्य रोंगटे खड़े कर देने वाला है। दूसरे यूज़र ने कहा, ष्पहली बार किसी मेनस्ट्रीम पैन–इंडिया फिल्म में छठ पूजा और उससे जुड़ा गाना दिखाया गया है। एक तीसरे यूज़र ने कहा, ष्छठी मैया पर बना यह गाना बहुत खूबसूरत है। मुझे अंदाज़ा था कि विशाल मिश्रा इसे गाएंगे और उन्होंने ऐसा ही किया। शायद यह पहली बार है जब बॉलीवुड बड़े पर्दे पर छठ पूजा की पवित्र रस्मों को दिखा रहा है और इसे यूपी–बिहार–झारखंड के बाहर के दर्शकों के लिए भी मुख्यधारा का हिस्सा बना रहा है, जो इस त्योहार से ज़्यादा वाकिफ़ नहीं हैं। उम्मीद है कि वे असली रस्मों के साथ न्याय करेंगे और उनमें कोई गड़बड़ नहीं करेंगे। एक चौथे यूज़र ने कहा, ष्छठी मैया में तमन्ना भाटिया का अंदाज़ वाकई शानदार है। लेकिन उनकी मौजूदगी को जो चीज़ सच में खूबसूरत बनाती है, वह सिर्फ़ साड़ी, गहने या पारंपरिक लुक नहीं है, बल्कि उनकी आँखों में छिपी भावनाएँ हैं। उनके हाव–भाव में एक शांत श्रद्धा, मासूमियत और गहराई है जो पूरे गाने को दिल को छू लेने वाला बनाती है। वह सिर्फ़ उस किरदार में दिखती ही नहीं हैं, बल्कि आपको भी उस भावना को महसूस कराती हैं। एक और यूज़र ने कहा, ष्एक बिहारी होने के नाते, यह देखकर सच में खुशी होती है कि छठी मैया और हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मुख्यधारा के हिंदी सिनेमा में दिखाया जा रहा है, यह बहुत खास लगता है... रोंगटे खड़े कर देने वाला अनुभव!

त्योहारों में घर आए मेहमान के लिए बनाएं ये 5 शानदार मिठाइयां, सब करेंगे तारीफ

सितंबर के महीने में कई पर्व और त्योहार आते हैं। जिस दौरान घर में पूजा–पाठ, सोलह श्रृंगार, मेहंदी, झूले और स्वादिष्ट पकवान आदि बनते हैं। वहीं महिलाएं घर आने वाले मेहमानों के लिए तरह–तरह के व्यंजन बनाती हैं। ऐसे में अगर आप भी घर आने वाले मेहमानों को कुछ मीठा परोसना चाहती हैं, जोकि देखने में अच्छा, स्वाद में लाजवाब और बनाने में आसान हो, तो आप कुछ खास डेजर्ट ट्राई कर सकती हैं। वहीं इन डेजर्ट को बनाने के लिए आपको किचन में घंटों नहीं बिताना चाहिए।

इन डेजर्ट को बनाने के लिए दूध–दही, नारियल, मखाना और ड्राई फ्रूट्स जैसी सामान्य सामग्री से कई बेहद शानदार मिठाइयां तैयार की जा सकती है। ऐसे में अगर आप इन पारंपरिक डेजर्ट को थोड़ा मॉर्डन अंदाज देकर सर्व किया जाए, तो यह मिठाइयां किसी रेस्टोरेंट की डेजर्ट जैसी लग सकती हैं। मेहमानों को खिलाने के बाद भी वह भी आपकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

केसर मखाना खीर

अगर आप भी पारंपरिक खीर को थोड़ा अलग अंदाज देना चाहती हैं, तो आप मखाना खीर बनाना चाहिए।

खीर बनाने के लिए मखाने को हल्का भूनकर दूध में पकने के लिए रखें।

इसमें स्वाद के मुताबिक इलायची, चीनी और केसर डालें।

ऊपर से कटे हुए पिस्ता और बादाम डालकर सजाएं।

इसके ऊपर से 2–3 धागे केसर के और पिस्ते की कतरन डालें।

अब खीर को अच्छे से ठंडा करके परोसें। यह मेहमानों को खूब पसंद आएगी।

नारियल ड्राई फ्रूट लड्डू

अगर आप भी कोई ऐसा डेजर्ट चाहती हैं, तो जिसको आप पहले से बनाकर रख लें। तो नारियल और ड्राई फ्रूट के लड्डू एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकते हैं।

नारियल, कटे हुए काजू–बादाम और अपनी पसंद के ड्राई फ्रूट्स को मिलाकर लड्डू बनाएं।

इस लड्डुओं को छोटे आकार में बनाएं और लड्डू के ऊपर से पिस्ता या फिर नारियल की हल्की कोटिंग करें।

हरे रंग की थोटी सर्विंग प्लेट में इनको सजाने पर यह काफी अच्छे लगेंगे।

हर मेहमान के लिए अलग–अलग मिनी पेपर कप पर एक या दो छोटे लड्डू रखें। इससे सर्विस ज्यादा हाइजेनिक और एलिगेंट लगेगी।

केसरिया रबड़ी कप

अगर आपको भी मेहमानों से तारीफ सुननी है, तो आप अपनी डेजर्ट मेन्यू में केसरिया रबड़ी कप को शामिल कर सकती हैं।

गाढ़ी रबड़ी को छोटे कांच के कप में डालें।

फिर पिस्ता, बादाम, केसर और गुलाब की पंखुड़ियों से इसको गार्निश करें।

अब व्यक्तिगत कप में सर्व करें, इससे डेजर्ट ज्यादा प्रीमियम दिखता है।

इसको आप पहले से तैयार करें और फिर ठंडा होने के लिए रख दें। जिससे कि मेहमानों के आने पर इसको सीधा सर्व कर सकें।

ड्राई फ्रूट श्रिखंड

श्रीखंड दही से बनता है और यह तीज के बाद परोसने के लिए क्रीमी और रिफ्रेशिंग डेजर्ट है।

गाढ़े दही में पिसी चीनी, केसर, इलायची और कटे हुए ड्राई फ्रूट्स मिलाएं।

अब इसको थोड़ा रॉयल लुक देने के लिए ऊपर से बादाम, केसर, पिस्ता और कुछ गुलाब की पंखुड़ियां डालें।

श्रीखंड को पहले ठंडा कर लें और फिर परोसने के दौरान इसको गार्निश करें।

नारियल–इलायची बर्फी

तीज पर मेहमानों के लिए ऐसी मिठाई बनाएं जो पारंपरिक लगने से साथ बनाना भी मुश्किल न हो।

इसके लिए आप नारियल–इलायची बर्फी बना सकती हैं।

इसको दूध, नारियल, चीनी और इलायची से बनाकर तैयार कर सकती हैं।

बर्फी को सामान्य चौकोर आकार में न काटें, इसकी जगह छोटे–छोटे डायमेंट शेप में कट करें।

बर्फी के ऊपर पिस्ते की पतली कतरन डालें।

आप चाहें तो चांकी के वर्क की जगह पर ड्राई फ्रूट्स से गार्निश कर इसको फेस्टिव लुक दे सकती हैं।

गणेश चतुर्थी स्पेशल : पुडुचेरी के विनयगर मंदिर की महिमा और इतिहास

पुडुचेरी का अरुलमिगु मनकुला विनयगर मंदिर दक्षिण भारत के सबसे प्राचीन और पवित्र धार्मिक स्थलों में से एक है। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जो मंदिर के चमत्कारिक इतिहास और आध्यात्मिक वातावरण से आकर्षित होते हैं। इस मंदिर में 7.5 किलो सोने से बना रथ और हथिनी लक्ष्मी का आशीर्वाद विशेष आकर्षण का केंद्र है।

घूमने के लिहाज से पुडुचेरी बेहद ही खूबसूरत है। यहां पर सुंदर बीचेज के अलावा आध्यात्मिक मंदिरों के लिए भी जाना जाता है। पुडुचेरी के केंद्र में स्थित अरुलमिगु मनकुला विनयगर मंदिर दक्षिण भारत के प्राचीन और पवित्र धार्मिक स्थलों में से एक हैं। भगवान गणेश को समर्पित यह मंदिर अपनी एतिहासिक कला, सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए विश्वभर में लोकप्रिय है। अगर आप भी भागदौड़ की जिंदगी से दूर और सुकून चाहते हैं, तो इस मंदिर के दर्शन जरुर करें। यहां पर आध्यात्मिक शांति का अनुभव करने के लिए विशेष स्थान माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में विराजमान भगवान गणेश अपने भक्तों के जीवन से सभी विघ्नों को दूर करते हैं और उनकी मनोकामनाएं को पूर्ण करते हैं। आइए आपको इस मंदिर के बारे में पूरी जानकारी बताते हैं और कैसे यहां पहुंचें।

मनकुला विनयगर मंदिर का दिलचस्प इतिहास

फ्रांसीसी शासन और चमत्कार– असल में वर्ष 1688 में जब पुडुचेरी पर फ्रांसीसी शासन था, तब उन्होंने मंदिर के ठीक बगल में एक किले का निर्माण कराया था। किला का वर्चस्व बढ़ाने के लिए फ्रांसीसियों ने गणेश प्रतिमा को समुद्र में फेंकने का प्रयास किया, लेकिन हर बार प्रतिमा चमत्कारिक रुप से अपने मूल स्थान पर वापस प्रकट हो जाती थी। इस अलौकिक घटना के बाद से फ्रांसीसियों ने अपना फैसला वापस ले लिया और वे भी भगवान के प्रति श्रद्धा रखने लगे।

संत की समाधि का स्थल– एक और प्राचीन मान्यता के अनुसार, करीब 300 साल पहले एक महान संत ने इसी मंदिर परिसर में अपनी सिद्धियों के माध्यम से समाधि ली थी। इसी कारण से स्थानीय लोग इस स्थान को नवजात शिशुओं के कल्याण के लिए बेहद ही शुभ मानते हैं।

मंदिर के मुख्य आकर्षण

– भक्तों के दान से निर्मित इस मंदिर में एक अति सुंदर स्वर्ण रथ है, जो सागौन की लकड़ी पर सोने की प्लेटों से सजा हुआ है। इसको बनाने में करीब 7.5 किलोग्राम सोना का इस्तेमाल किया गया है।

– इस मंदिर में दीवारों पर आकर्षक नक्काशी और देवी–देवताओं की प्रतिमाएं उकेरी गई हैं। भगवान गणेश के अलावा यहां श्री कृष्ण, भगवान शिव, माता पार्वती और मुरुगन की प्रतिमाएं स्थापित हैं।

– इस मंदिर की एक और खासियत है कि श्लक्ष्मीश नाम की हथिनी है, जो रोजाना शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक श्रद्धालुओं को अपनी सूंड से आशीर्वाद देती हैं।

इसके अलावा, मंदिर में प्रवेश करते समय पारंपरिक या शालीन वस्त्र ही पहनें, जिससे शरीर पूरी तरह ढका हुआ रहे।

पुडुचेरी के मनकुला विनयगर मंदिर कैसे पहुंचे?

हवाई मार्ग– पुडुचेरी हवाई अड्डा हैदराबाद और बैंगलोर से सीधा जुड़ा हुआ है। वहीं अन्य शहरों जैसे कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता से चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान ली जा सकती हैं, जहां से टैक्सियों के माध्याम से मंदिर पहुंचा जा सकता है।

– रेल मार्ग द्वारा– पुडुचेरी रेलवे स्टेशन शहर का मुख्य का स्टेशन हैं। बता दें कि, स्टेशन से मंदिर की दूरी करीब 1.7 किलोमीटर है, जहां से स्थानीय वाहन आसानी से मिल जाएंगे।

करिश्मा तन्ना ने साझा किया अपना डेली स्किन केयर रूटीन, मां बनने के बाद ऐसे रखती हैं त्वचा का ख्याल

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने मां बनने के बाद घर पर रहते हुए अपनी त्वचा की देखभाल का आसान रूटीन साझा किया है। उनका मानना है कि खुद को खुश और तरोताजा रखने के लिए महिलाओं को अपने लिए भी समय निकालना चाहिए। करिश्मा ने सीरम, मॉइस्चराइजर और बेहद हल्के मेकअप के जरिए अपना सादा लुक दिखाया। मां बनने के बाद एक महिला की पूरी दिनचर्या बदल जाती है। बच्चे को संभालना, उसे दूध पिलाना, खुद की सेहत का ध्यान रखना और घर की जिम्मेदारियां निभाना आसान नहीं होता। ऐसे में अक्सर मां अपने लिए समय निकालना भूल जाती है। लेकिन अभिनेत्री करिश्मा तन्ना का मानना है कि मां बनने के बाद भी खुद के लिए कुछ समय निकालना जरूरी है। हाल ही में करिश्मा तन्ना ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह बच्चे के साथ घर पर रहते हुए अपनी त्वचा और बालों का कैसे ख्याल रखती हैं। खास बात यह है कि तैयार होने के बाद भी उन्हें कहीं बाहर नहीं जाना था। वह घर पर ही अपने बच्चे के साथ समय बिताने वाली थीं।

घर पर रहते हुए भी खुद के लिए निकाला समय

करिश्मा ने अपनी दिनचर्या की शुरुआत बाल सुखाने से की। इसके बाद उन्होंने चेहरे पर सीरम लगाया और चेहरे की हल्की मालिश की। फिर उन्होंने मॉइस्चराइजर और आंखों के आसपास लगाने वाली क्रीम का इस्तेमाल किया। इसके बाद उन्होंने आंखों के नीचे थोड़ा कंसीलर लगाया और आखिर में गालों और होंठों पर हल्का गुलाबी रंग लगाया। उनका पूरा लुक काफी सादा और प्राकृतिक नजर आया।

करिश्मा बोलीं– मुझे कहीं नहीं जाना

करिश्मा ने वीडियो में बताया कि तैयार होने के बाद भी वह कहीं बाहर नहीं जाने वाली हैं। वह घर पर ही अपने बच्चे के साथ रहेंगी, उसे दूध पिलाएंगी और उसके साथ समय बिताएंगी। उन्होंने कहा कि तैयार होने का मकसद किसी खास जगह जाना नहीं है। वह सिर्फ इसलिए तैयार हुईं क्योंकि इससे उन्हें अच्छा महसूस होता है। करिश्मा के मुताबिक, अगर वह खुश रहेंगी तो उनका बच्चा भी खुश रहेगा। वह हर समय खुद को थका हुआ और बिखरा हुआ नहीं देखना चाहतीं।

चेहरे पर लगाएं नमी देने वाला सीरम

करिश्मा ने चेहरे की देखभाल की शुरुआत सीरम से की। उन्होंने इसे उंगलियों की मदद से पूरे चेहरे पर हल्के हाथों से लगाया। अगर आपकी त्वचा रूखी रहती है तो आप अपनी त्वचा के हिसाब से नमी देने वाला सीरम इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे चेहरे पर लगाते समय जोर से रगड़ने के बजाय हल्के हाथों से लगाएं।

चेहरे की हल्की मालिश से मिलेगी ताजगी

सीरम लगाने के बाद करिश्मा ने चेहरे की मालिश करने वाले रोलर का इस्तेमाल किया। उन्होंने इसे चेहरे पर नीचे से ऊपर की ओर हल्के हाथों से चलाया। चेहरे की मालिश को रोजाना की त्वचा देखभाल का हिस्सा बनाया जा सकता है। इसके लिए ज्यादा समय निकालने की जरूरत नहीं है। कुछ मिनट की हल्की मालिश आपको दिनभर की थकान के बीच थोड़ा आराम भी दे सकती है।

मॉइस्चराइजर लगाना न भूलें

चेहरे की मालिश के बाद करिश्मा ने अच्छी मात्रा में मॉइस्चराइजर लगाया। सीरम के बाद मॉइस्चराइजर लगाने से त्वचा में नमी बनाए रखने में मदद मिलती है। इसे चेहरे और गर्दन पर हल्के हाथों से लगाएं और कुछ देर त्वचा में मिलने दें। इसके बाद ही मेकअप करें।

आंखों के आसपास भी दें थोड़ा ध्यान

करिश्मा ने मॉइस्चराइजर के बाद आंखों के आसपास लगाने वाली क्रीम का इस्तेमाल किया। यह छोटी–सी चीज आपकी त्वचा की देखभाल को और बेहतर बना सकती है। आंखों के आसपास क्रीम लगाते समय बहुत कम मात्रा लें और अनामिका उंगली से हल्के हाथों से लगाएं। इस हिस्से की त्वचा नाजुक होती है, इसलिए यहां ज्यादा दबाव डालने से बचें।

कम मेकअप में भी दिखें तरोताजा

करिश्मा ने चेहरे पर ज्यादा मेकअप नहीं किया। उन्होंने सिर्फ आंखों के नीचे थोड़ी मात्रा में कंसीलर लगाया और उंगलियों से अच्छी तरह मिला लिया। अगर आप भी कम समय में तरोताजा दिखना चाहती हैं तो चेहरे पर बहुत ज्यादा मेकअप करने की जरूरत नहीं है। जहां जरूरत हो, वहीं थोड़ा कंसीलर लगाकर अच्छी तरह मिला लें।

गालों और होंठों पर लगाएं गुलाबी रंग

करिश्मा ने आखिर में गालों और होंठों पर हल्का गुलाबी रंग लगाया। इससे चेहरे पर हल्की चमक और ताजगी नजर आई, लेकिन चेहरा जरूरत से ज्यादा सजा हुआ नहीं लगा। आप भी गालों के उभरे हुए हिस्से पर थोड़ा–सा गुलाबी रंग लगाकर उसे हल्के हाथों से ऊपर की ओर मिला सकती हैं। यही रंग होंठों पर भी लगाया जा सकता है। इससे कम समय में चेहरा खिला–खिला नजर आता है।

मां बनने के बाद खुद का ख्याल रखना भी जरूरी

करिश्मा तन्ना की दिनचर्या से सबसे अच्छी बात यही सीखने को मिलती है कि खुद का ख्याल रखने के लिए किसी खास मौके या बाहर जाने का इंतजार जरूरी नहीं है। मां बनने के बाद जब पूरा ध्यान बच्चे पर होता है, तब अपने लिए कुछ मिनट निकालना भी आपको अच्छा महसूस करा सकता है। बाल संवारना, त्वचा पर क्रीम लगाना या कुछ देर आराम करना, ये छोटी–छोटी चीजें भी दिन को बेहतर बना सकती हैं।

उबलती हुई चाय बार–बार पीने से इसोफेगल कैंसर का खतरा कई गुना बढ़ा

यूके में 10 लाख वयस्कों पर हुई 14 साल की स्टडी के अनुसार, 65 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक गर्म चाय–कॉफी पीने से इसोफेगल कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। अत्यधिक गर्म पेय भोजन नली की परत को थर्मल नुकसान पहुंचाते हैं। विशेषज्ञों ने पेय पदार्थों को थोड़ा ठंडा या गुनगुना करके पीने की सलाह दी है। ज्यादातर लोगों को गरमा–गरम चाय पीने का शौक होता है। कप में डालते ही बिना देर फूंक कर ही चाय–कॉफी पीना शुरु कर देते हैं। अगर आपकी भी यही आदत है, तो आप जरा संभल जाए। दरअसल, हालिए एक नई रिसर्च में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है।

रिसर्च के अनुसार, अधिक गर्म पेय पदार्थ पीने से एसोफेगल कैंसर (भोजन नली के कैंसरी) का जोखिम बढ़ सकता है। चलिए आपको इस बारे में पूरी जानकारी बताते हैं–

इस बारे में क्या है एक्सपर्ट का कहना?

– हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, बहुत ज्यादा गर्म चाय या कॉफी (65°C या उससे अधिक तापमान वाली) बार–बार पीने से एसोफिजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एक तरह का फूड–पाइप कैंसर) का खतरा काफी बढ़ जाता है।

– न्ज्ञ में करीब 10 लाख वयस्कों पर की गई इस 14 साल की स्टडी के अनुसार, जो लोग अपनी ड्रिंक्स को बहुत गर्म पीना पसंद करते थे, वैसे उनमें यह खतरा ज्यादा होता है।

– अगर आप अत्यधिक गर्म तरल पदार्थ एसोफेगस की परत को बार–बार थर्मल नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे समय के साथ कैंसर जैसे खतरनाक जोखिम देखने को मिल सकता है।

– वैसे यह खतरा ड्रिंक के कारण नहीं, बल्कि उसके तापमान की वजह से होता है।

– सबसे जरुरी बात यह है कि ज्यादातर लोगों में इस कैंसर के होने का कुल खतरा अभी कम है और अध्ययन में एसोफेजियल एडेनोकार्सिनोमा के साथ ऐसा कोई संबंध नहीं पाया गया।

– जो लोग नियमित तौर पर बहुत ज्यादा गर्म ड्रिंक का सेवन करते हैं, उन्हें 6 या उससे ज्यादा कप, उनके लिए बढ़ा खतरा साबित होगा।

चाय–कॉफी को हमेशा गुनगुना ही पिएं

– हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि चाय या कॉफी पीने से पहले उसे कुछ मिनट में ठंडा रहने दें।

– यदि आप होंठों या जीभ पर बहुत ही ज्यादा गर्म लगे, तो शायद उनका तापमान सुरक्षित सीमा से ज्यादा है।

– आप चाय–कॉफी या किसी भी गरम पेय पदार्थ को हमेशा गुनगुना ही पिएं।

संक्षिप्त

7,000 शाखाओं में लटके ताले, डेली 5,500 करोड़ का व्यापार प्रभावित

बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने और अन्य लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल के कारण मध्यप्रदेश में लगभग 7,000 शाखाओं में काम ठप रहा जिससे करीब 5,500 करोड़ रुपये का दैनिक कारोबार प्रभावित हुआ। बैंक कर्मचारियों के एक संगठन ने यह जानकारी दी। मध्यप्रदेश बैंक एम्प्लॉयीज एसोसिएशन (एमपीबीईए) के चेयरमैन मोहनकृष्ण शुक्ला ने पीटीआई–को बताया, सूबे की कुल 8,707 बैंक शाखाओं में से लगभग 7,000 शाखाओं के करीब 42,000 कर्मचारी–अधिकारी हड़ताल में शामिल हुए। इनमें 12 सरकारी बैंकों के साथ ही विभिन्न क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) और सहकारी बैंकों के कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हड़ताल से बैंक शाखाओं में नकदी जमा करने और निकालने के साथ चेक निपटान, सावधि जमा (एफडी) योजनाओं का नवीनीकरण, सरकारी खजाने से जुड़े काम और अन्य आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुईं। शुक्ला के मुताबिक बैंक हड़ताल से प्रदेश में करीब 5,500 करोड़ रुपये के दैनिक कारोबार पर असर पड़ा। हड़ताल के दौरान राज्य भर में बैंक कर्मचारियों ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह को तत्काल लागू किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किए। बैंक कर्मचारियों की अन्य लंबित मांगों में पेंशन को अद्यतन तथा उसमें सुधार किया जाना, सभी पेंशनधारकों के लिए महंगाई भत्ते की एक समान गणना की व्यवस्था और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना अपनाने का विकल्प देना शामिल हैं।

मोनोलिथिस इंडिया ने बिहार के नवादा में 157 करोड़ में जीता Quartzite Stone Block

मोनोलिथिस इंडिया ने बिहार के खनन एवं भूविज्ञान विभाग की ई–नीलामी में नवादा जिले में 157 करोड़ रुपये में क्वार्टजाइट स्टोन ब्लॉक' हासिल किया है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी 'प्रीमिक्स्ड रैमिंग मास' नाम की सामग्री बनाती है, जिसका इस्तेमाल इंडक्शन भट्टियों को तेज गर्मी और पिघले इस्पात से बचाने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से द्वितीयक इस्पात उद्योग में होता है। कंपनी ने बयान में कहा कि इस अधिग्रहण के साथ उसके कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम पूरा हुआ है। यह कंपनी की स्थापना के बाद से अब तक की सबसे बड़ी रणनीतिक उपलब्धि है। पांच साल के लिए आवंटित इस ब्लॉक की स्वीकृत खनन क्षमता 7.10 लाख टन सालाना है। इस तरह पट्टे की पूरी अवधि में कुल 35.50 लाख टन खनन क्षमता होगी। कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण से उसे अपनी प्रमुख कच्चे माल की जरूरतों पर अधिक नियंत्रण मिलेगा और अगले पांच साल के लिए कच्चे माल की कीमतों में उतार–चढ़ाव से बचाव करने में मदद मिलेगी। यह ऐसे समय में हुआ है जब कंपनी सिलिका रैमिंग मास के विनिर्माण की क्षमता बढ़ा रही है। समूह की कुल विनिर्माण क्षमता बढ़कर 5.76 लाख टन सालाना होने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि वैधानिक मंजूरियां अगले तीन–चार महीने में मिलने की उम्मीद है और वाणिज्यिक परिचालन फरवरी–मार्च 2027 में शुरू करने का लक्ष्य है। बयान के अनुसार, 157 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार पांच साल में किस्तों में किया जाएगा। खनन कार्य अनुभवी राष्ट्रीय खनन ठेकेदारों के जरिये प्रति टन उत्पादन के आधार पर कराया जाएगा। इससे कंपनी का प्रत्यक्ष बुनियादी ढांचा पूंजीगत व्यय सीमित रहेगा। मोनोलिथिस इंडिया के प्रबंध निदेशक हर्ष टेकरीवाल ने कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि कच्चे माल की आपूर्ति को अपने नियंत्रण में लेने की हमारी प्रक्रिया पूरी हो गई है और हमारे पास अतिरिक्त कच्चे माल की क्षमता भी उपलब्ध है।'' उन्होंने कहा, इससे नए संयंत्र के शुरू होने के साथ तेजी से बढ़ने वाली हमारी कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। कंपनी खासकर पूर्वी और मध्य भारत में घरेलू एकीकृत द्वितीयक इस्पात समूहों की प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

स्बरबैंक भारत में खोलेगा 10 नई शाखाएं, RBI की मंजूरी का इंतजार

रूस के सबसे बड़े बैंक स्बरबैंक ने शुक्रवार को कहा कि वह द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत में 10 नई शाखाएं खोलकर अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की योजना बना रहा है। इस समय बैंक नयी दिल्ली और मुंबई में कार्यालयों के साथ एक शाखा मॉडल पर भारत में काम कर रहा है। वर्ष 2010 में अपना परिचालन शुरू करने वाले इस बैंक ने 10 शहरों में खोले जाने वाले 10 शाखा लाइसेंसों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अनुमति मांगी है। स्बरबैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन हरमन ग्रेफ ने यहां कहा, हम स्थानीय नियामक से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या बैंक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी में तब्दील होने की योजना बना रहा है, उन्होंने कहा, फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि बैंक ने नयी दिल्ली में दो समिट टावर्स बिजनेस सेंटर का अधिग्रहण किया है, जो 2028 तक तैयार हो जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय राजधानी में इन संपत्तियों का अधिग्रहण दीर्घकालिक साझेदारी के लिए एक नई नींव तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि स्बर देश में लगातार अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहा है, और यह निवेश उसी रणनीति का हिस्सा है। रुपये में द्विपक्षीय व्यापार निपटान के बारे में बात करते हुए ग्रेफ ने कहा, हमारी प्रणाली अब पहले से कहीं अधिक कुशलता से काम कर रही है। पिछले साल, हमारे सामने अधिशेष रुपये की समस्या थी, लेकिन इस साल ऐसी कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि मुद्रा जोखिम के प्रबंधन के तहत बैंक ने सरकारी प्रतिभूतियों में भी निवेश किया है। सीमा पार भुगतान के लिए केंद्रीय बैंक समर्थित डिजिटल मुद्राओं (सीबीडीसी) पर उन्होंने कहा कि यह एक बड़े अवसर के रूप में उभर सकता है। निवेश को बढ़ावा देने के संदर्भ में ग्रेफ ने कहा कि हाल ही में बैंक ने अपने खाताधारकों के लिए निफ्टी 50 शेयरों में निवेश करने हेतु एक उत्पाद पेश किया है।

शेफ़ाली–दीप्ति के तूफान से इंडिया वोमेन ने बांग्लादेश को रौंदा, एशिया कप फाइनल में एंट्री

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शेफ़ाली वर्मा की विस्फोटक बल्लेबाज़ी और दीप्ति शर्मा की सटीक गेंदबाज़ी के दम पर बांग्लादेश को बुरी तरह हराकर एशिया कप 2026 के फ़ाइनल में शानदार प्रवेश किया। इस महत्वपूर्ण सेमीफ़ाइनल मुकाबले में, टीम इंडिया ने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा और लगातार विकेट लेकर बांग्लादेशी बल्लेबाज़ों को दबाव में रखा, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हुई।

शेफ़ाली वर्मा की जबरदस्त पारी और दीप्ति शर्मा की शानदार गेंदबाज़ी के दम पर, हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश को हराकर एशिया कप 2026 के फ़ाइनल में जगह बना ली। फ़ाइनल मैच रविवार को खेला जाएगा। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए, भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि स्मृति मंधाना सिर्फ़ दो रन पर आउट हो गईं। हालाँकि, वर्मा और प्रतिका रावल ने टीम की पारी को संभाला। 10वें ओवर में रावल (24 गेंदों में 20 रन) के आउट होने के बाद भी वर्मा ने खेलना जारी रखा और बांग्लादेशी गेंदबाज़ों की जमकर धुनाई की। प्लेयर ऑफ़ द मैच चुनी गईं वर्मा को हरमनप्रीत कौर (28 गेंदों में 24 रन), ऋचा घोष (16 गेंदों में 21 रन) और दीप्ति शर्मा (छह गेंदों में 13 रन) का भी अच्छा साथ मिला, जिससे भारतीय टीम ने बांग्लादेश के सामने जीत के लिए 150 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। बांग्लादेशी टीम ने संभलकर शुरुआत की; दिलारा अख्तर (26 गेंद पर 21 रन) और जुएरिया फिरदौस (18 गेंद पर 14 रन) ने पहले पांच ओवर में 26 रन बनाए। हालांकि, भारत लगातार विकेट लेता रहा; शोभना मोस्तरी, निगार सुल्ताना और शोर्ना अख्तर ने क्रमशः 24 गेंद पर 18, 17 गेंद पर 19 और 18 गेंद पर 22 रन बनाए। वहीं, शर्मिन अख्तर और फहिमा खातून ने क्रमशः दो गेंद पर एक और 14 गेंद पर 14 रन बनाए। भारतीय महिला टीम के लिए दीप्ति शर्मा सबसे सफल गेंदबाज रहीं; उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 26 रन देकर तीन विकेट लिए। नंदनी शर्मा ने भी दो ओवर में सिर्फ 10 रन देकर दो विकेट लिए। वहीं, श्री चरानी और प्रेमा रावत ने एक–एक विकेट लिया। बाद में, कौर ने कहा कि वह टीम के प्रदर्शन से खुश हैं। उन्होंने कहा कि दोनों टीमों के स्पिनरों ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल हो गया। भारतीय महिला टीम की कप्तान ने कहा कि आज बैटिंग के दौरान हमारी सभी साझेदारियां बहुत अहम रहीं, और ऋचा घोष की बैटिंग भी। उन्होंने कुछ बहुत अच्छे शॉट्स खेले। और गेंदबाज़ी में दीप्ति शानदार रहीं। जब भी हमें ज़रूरत पड़ी, उन्होंने आकर हमें अहम विकेट दिलाए। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब रविवार को दुबई में एशिया कप 2026 का फ़ाइनल खेलेगी। वहीं, दूसरा सेमीफ़ाइनल शुक्रवार को दुबई में श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा।

बांग्लादेश को रौंदा, हरमनप्रीत कौर ने कहा, मैं टीम के प्रदर्शन से खुश हूँ

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एशिया कप फ़ाइनल में जगह पक्की करने पर टीम के ऑलराउंड प्रदर्शन पर खुशी जताई। उन्होंने मुश्किल पिच पर बल्ले और गेंद दोनों से मिले योगदान, खासकर स्पिनरों की अहमियत पर जोर दिया, जिससे भारत ने बांग्लादेश को सेमीफ़ाइनल में हराया। गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए पहले सेमीफ़ाइनल में बांग्लादेश पर 40 रन से जीत के साथ महिला टी20 एशिया कप के फ़ाइनल में जगह बनाने पर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी टीम के हरफनमौला प्रदर्शन की तारीफ की। भारत ने एक अच्छा स्कोर बनाया और फिर स्पिनर दीप्ति शर्मा की अगुवाई में गेंदबाजों ने बांग्लादेश को रोककर आसानी से जीत हासिल की। घ्हरमनप्रीत ने बल्ले और गेंद, दोनों से मिले योगदान के महत्व पर ज़ोर दिया, खासकर ऐसी मुश्किल पिच पर जहाँ स्पिनरों को मदद मिल रही थी। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा कि चीज़ें जिस तरह से चल रही हैं, उससे मैं खुश हूँ। हमारी बैटिंग और बॉलिंग जिस तरह से हो रही है, उससे भी खुश हूँ। अच्छी गेंदों का महत्व था। अगर आप गेंद को स्पिन करा रहे थे, तो उसका फ़ायदा मिल रहा था। आज दोनों टीमों के स्पिनरों ने अच्छी बॉलिंग की; बल्लेबाजों के लिए मुश्किल थी, स्पिनरों ने पिच का बहुत अच्छा इस्तेमाल किया। भारतीय कप्तान ने छोटी–छोटी साझेदारियों के असर की भी तारीफ़ की और पारी के दौरान ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा के योगदान का ज़िक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि छोटी साझेदारियाँ मायने रखती हैं, खासकर ऐसी पिच पर। ऋचा ने भी कुछ बहुत अच्छे शॉट खेले। दीप्ति ने गेंदबाज़ी में शानदार प्रदर्शन किया और हमें कुछ अहम विकेट दिलाए। अपनी आक्रामक पारी के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुनी गई शैफाली वर्मा ने माना कि उमस भरे मौसम में खेलना मुश्किल था, लेकिन उन्होंने शांत रहकर और हालात के हिसाब से खेलने पर ध्यान दिया। शैफाली ने कहा कि वहाँ बहुत उमस थी। कभी–कभी तो साँस लेना भी मुश्किल हो रहा था, लेकिन मुझे शांत रहना था। शुरुआत में मुझे वैसी गेंदें नहीं मिलीं, इसलिए मैंने ज़मीन के सहारे खेलने की कोशिश की और मुझे कुछ मौके भी मिले। ओपनर ने आगे कहा कि पावरप्ले में आक्रामक खेलना उनकी ज़िम्मेदारी है और उन्होंने टीम को मज़बूत शुरुआत दिलाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि पावरप्ले में छक्के और चौके लगाना मेरा काम है – इसलिए मैं वही करने की कोशिश कर रही हूँ। वहीं, बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने माना कि पिछले मैचों में शानदार प्रदर्शन के बावजूद उनकी टीम इस मैच में अपनी योजनाओं को ठीक से लागू नहीं कर पाई।

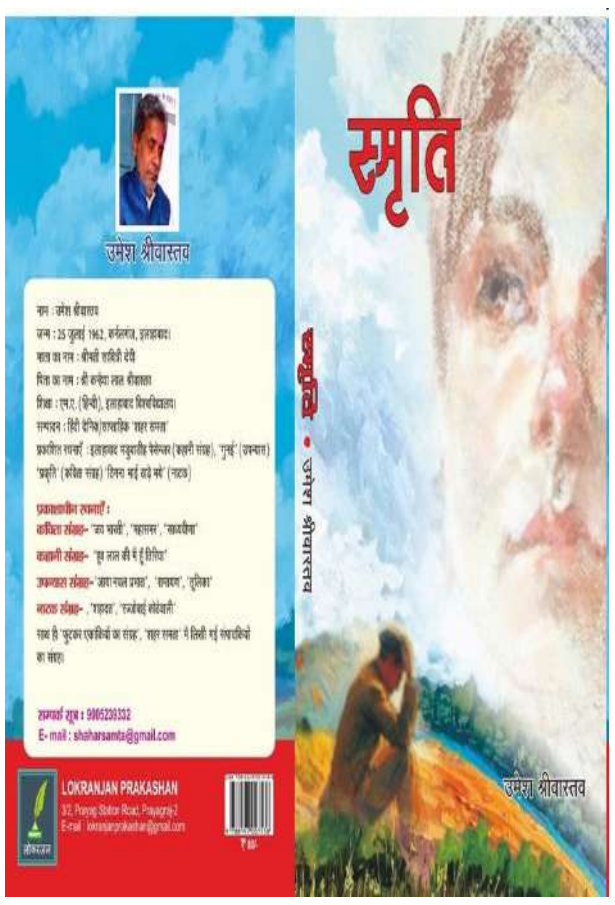

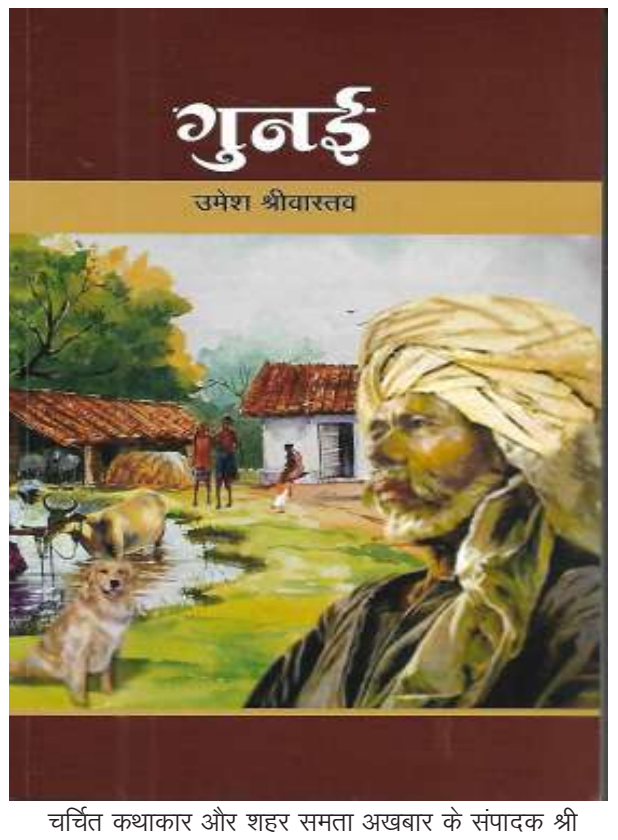

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

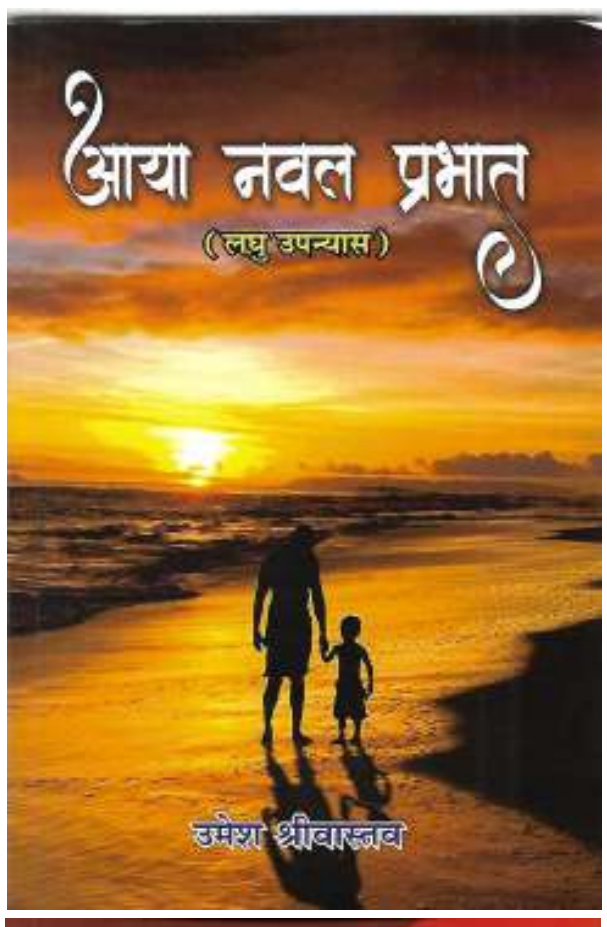

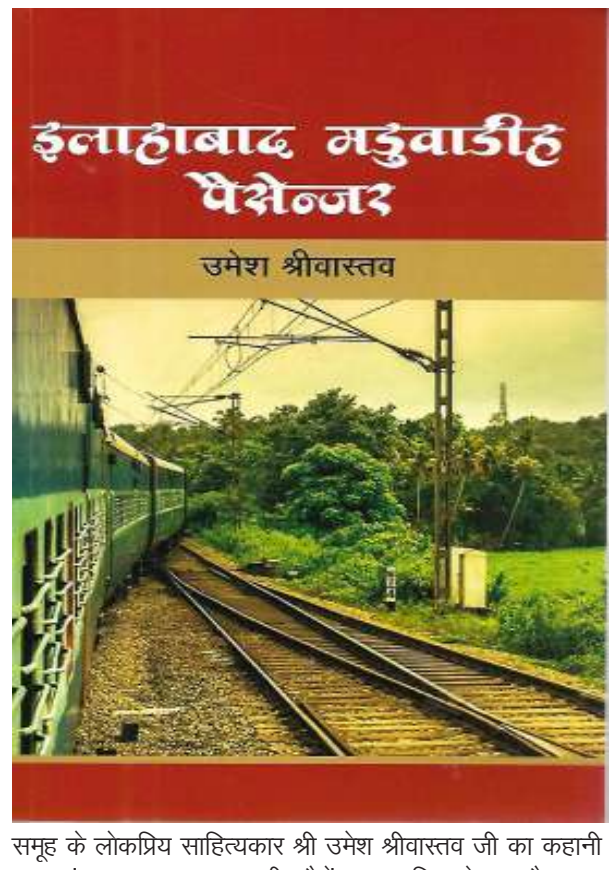

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

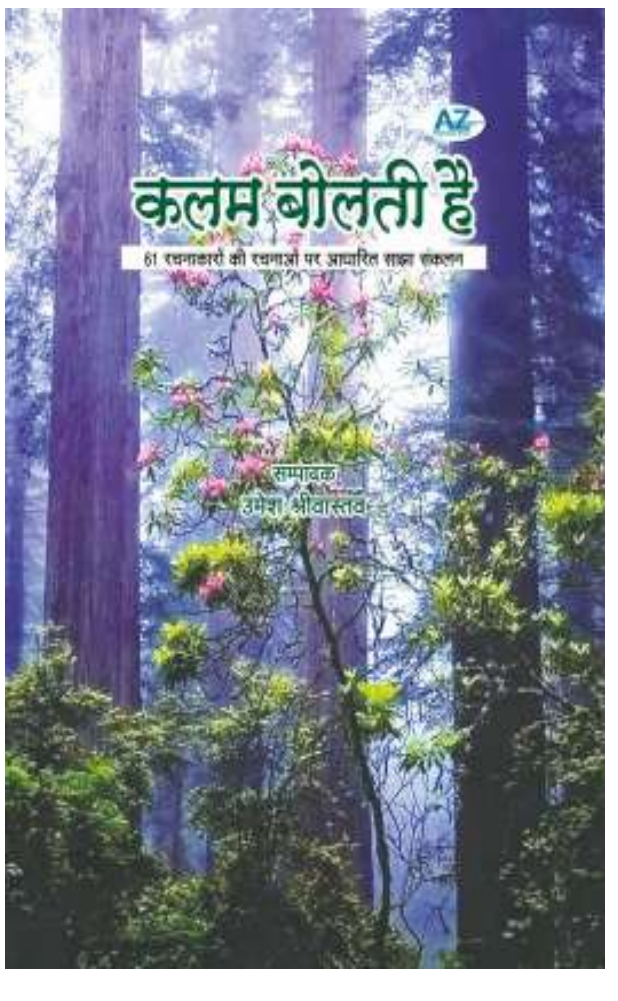

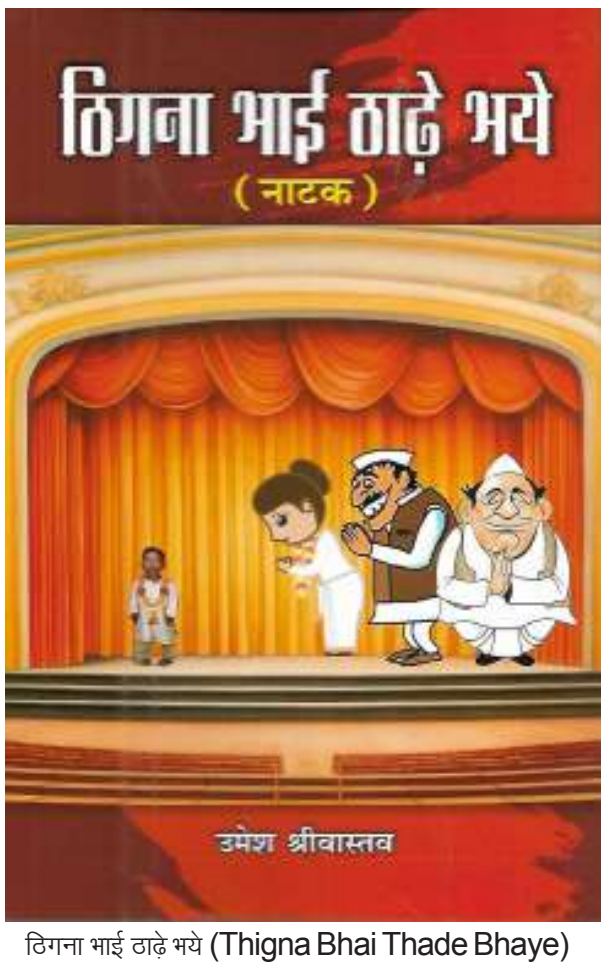

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

11 देशों की महाशक्ति का सम्मेलन, भारत में स्वागत से गदगद हुए अफ्रीकी राष्ट्रपति

राजधानी नई दिल्ली के आसमान से जब दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा का विशेष विमान पालम एयरबेस की धरती पर उतरा तो नजारा देखने लायक था। जैसे ही राष्ट्रपति रामा फोसा सीढ़ियों से नीचे उतरे भारतीय परंपरा के मुताबिक उनका जोरदार और भव्य स्वागत किया गया और उसका वीडियो आपके सामने है। केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने आगे बढ़कर जब हाथ मिलाया तो दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति के चेहरे पर एक बड़ी और सहज मुस्कान तैर गई। हाथ जोड़कर नमस्ते करते राष्ट्रपति रामाफोसा की यह मुस्कान सिर्फ कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी बल्कि यह भारत और दक्षिण अफ्रीका के ऐतिहासिक अटूट और भावनात्मक रिश्तों की सबसे ताजा तस्वीर और वीडियो है। दिल्ली इस वक्त सज चुकी है। सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद है और दुनिया का ध्यान सिर्फ एक जगह पर टिका है। 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 दरअसल 12 और 13 सितंबर को होने वाले इस दो दिवसीय महासम्मेलन के लिए दुनिया भर के राष्ट्रध्यक्षों और शीर्ष राजनायिकों का दिल्ली पहुंचना लगातार जारी है। अब दिल्ली एयरपोर्ट पर दिग्गजों का तांता लगा है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरील लामा फोसा अपने उच्च स्तरीय डेलीगेशन के साथ दिल्ली पहुंच चुके हैं जो ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों में शामिल हैं। युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलूपो भी राजधानी पहुंची। युगांडा ब्रिक्स के 10 प्रमुख साझेदार देशों में से एक है। कौशल विकास और उदमिता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार जैन चौधरी ने दोनों स्वीस नेताओं की आगवानी की और भारत की ओर से आत्मी स्वागत किया। इसके अलावा उग्व के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन और नाइजीरिया के विदेश मंत्री बियांका और फिलीपींस के विदेश सचिव मारिया थेरेसा पी लाज़ारो भी सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंच चुके हैं। राजधानी इस वक्त ग्लोबल डिप्लोमेसी की सबसे बड़ी धुरी बन चुकी है। साल 2026 में ब्रिक्स की कमान भारत के हाथों में है। भारत ने इस बार शिखर सम्मेलन की जो थीम तय की है वह पूरी दुनिया के वर्तमान हालात को देखते हुए बेहद प्रासंगिक है। लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण। भारत की इस अध्यक्षता के तीन सबसे बड़े राजनीतिक स्तंभ तय किए गए हैं। पहला है ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंदी देना यानी विकासशील और अविकसित देशों के आर्थिक व सामाजिक हितों को वैश्विक मंचों पर प्रमुखता से उठाना। दूसरा है इनोवेशन और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर यानी भारत की यूपीआई और डिजिटल मॉडल। अब ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक लेनदेन को आसान बनाने की दिशा में काम करेगा। का तीसरा है स्थिरता और सतत विकास। जलवायु परिवर्तन, रिन्यूएबल एनर्जी और खाद्य सुरक्षा जैसे संकटों पर ठोस नीति बनाना। बता दें ब्रिक्स अब केवल पांच अक्षरों तक सीमित नहीं है। मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई के जुड़ने के बाद यह समूह 11 देशों का एक विशाल आर्थिक मंच बन चुका है। अब 11 देशों की महाशक्ति और वैश्विक आंकड़े भी जान लीजिए। तो, इसका पहला पॉइंट है जनसंख्या की ताकत। दुनिया की कुल आबादी का करीब 49.5: हिस्सा ब्रिक्स देशों में रहता है। दूसरा है आर्थिक दबदबा। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में इस समूह की हिस्सेदारी लगभग 40: के पार पहुंच चुकी है। तीसरा है अंतरराष्ट्रीय व्यापार। दुनिया के कुल मर्चेंडाइज ट्रेड का 26% हिस्सा ब्रिक्स देशों के नियंत्रण में है।

संक्षिप्त

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल मरीन सैनिक मौत मामले में बरी

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को एक मरीन सैनिक की डूबने से हुई मौत से जुड़े मामले में शुक्रवार को बरी कर दिया गया। यह मार्शल लॉ लागू करने के कारण पद से हटाए जाने के बाद यून के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में बड़ी राहत है। विशेष जांच पक्ष द्वारा दायर अभियोग में आरोप लगाया गया था कि यून ने जानबूझकर पूर्व रक्षा मंत्री ली जोंग–सुप को ऑस्ट्रेलिया में राजदूत नियुक्त किया, ताकि उन्हें देश छोड़ने और 2023 में बाढ़ पीड़ितों की तलाश एवं बचाव अभियान के दौरान डूबे कॉर्पोरल चे सु–गुन की मौत की आपराधिक जांच से बचने में मदद मिल सके। हालांकि, सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि यून द्वारा ली की नियुक्ति का उद्देश्य जांच में बाधा डालना था या नहीं। यून ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के साथ सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ली को राजदूत नियुक्त किया था। उनके वकीलों ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए अभियोजकों से इसके खिलाफ अपील नहीं करने का आग्रह किया। पूर्व न्याय मंत्री और राष्ट्रपति सुरक्षा निदेशक समेत अन्य आरोपियों को भी उन आरोपों से बरी कर दिया गया, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने जांच से बचने में ली की मदद करने के लिए यून के साथ मिलकर साजिश रची थी। अभियोजक फैसले के खिलाफ अपील करेंगे या नहीं, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी। एक अलग अभियोग में आरोप लगाया गया है कि यून और अन्य अधिकारियों ने चे की मौत की जांच को दबाने और उसमें हेरफेर करने की कोशिश की। यह मामला तब सार्वजनिक आक्रोश का कारण बना, जब यह सामने आया कि सैन्य कमांडरों ने सैनिकों को लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों के बिना तलाश अभियान चलाने का आदेश दिया था। यून को अप्रैल 2025 में औपचारिक रूप से पद से हटा दिया गया था। इसके बाद राष्ट्रपति ली जे–म्युंग द्वारा मार्शल लॉ लागू करने और चे की मौत समेत कई अन्य मामलों की विशेष जांच को मंजूरी दिए जाने के बाद यून को कई आपराधिक मुकदमों का सामना करना पड़ा है।

जगरेब स्कूल अटैक मामले में हमलावर छात्र को पुलिस ने हिरासत में लिया

क्रोएशिया की राजधानी जगरेब के उच्च विद्यालय में शुक्रवार को एक छात्र ने दूसरे छात्र और एक सफाई कर्मचारी को धारदार वस्तु से घायल कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हमलावर को हिरासत में ले लिया गया है। क्रोएशिया के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि आरोपी ने हमले में एक धारदार वस्तु का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि हमले में घायल छात्र के शरीर पर कई वार किए गए थे। छात्र की

सर्जरी की गई और उसकी हालत खतरे से बाहर है। वहीं, स्कूल के एक कर्मचारी का चेहरा जख्मी हो गया। समाचार पोर्टल 'इंडेक्स' के अनुसार यह हमला बृहस्पतिवार को दोनों छात्रों के बीच विवाद के बाद हुआ। घटनास्थल के वीडियो में पुलिस की जांच के दौरान इमारत की घेराबंदी की गई दिखाई दे रही है। दिसंबर 2024 में चाकू लेकर एक पूर्व छात्र जगरेब के एक स्कूल में घुस गया था। उसने सात साल की एक बच्ची की चाकू मारकर हत्या कर दी थी और तीन अन्य बच्चों तथा उनके शिक्षक को घायल कर दिया था। मामले में उसे दोषी ठहराया गया और 50 साल की जेल की सजा सुनाई गई। इस हमले के बाद जगरेब और अन्य जगहों के स्कूलों ने अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए सुरक्षा गार्ड तैनात करने शुरू कर दिए।

भारतीय–अमेरिकी दंपति ने ह्यूस्टन विश्वविद्यालय को 40 लाख डॉलर किए दान

ह्यूस्टन। भारतीय–अमेरिकी दंपति ने इंजीनियरिंग अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ह्यूस्टन विश्वविद्यालय को 40 लाख डॉलर का दान दिया है। विश्वविद्यालय ने बताया कि ह्यूस्टन विश्वविद्यालय के कुलेन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को दिए गए इस दान से मैकेनिकल और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

विभाग में दो स्थायी प्रोफेसर पद, शिक्षकों के शोध के लिए कोष, स्नातक छात्रों के लिए फेलोशिप और एक संगोष्ठी श्रृंखला स्थापित की जाएगी। भारतीय–अमेरिकी इंजीनियर मनमोहन सिंह कलसी और उनकी पत्नी मैरी–लुइस शूबर्ट कालसी ने शोध और शिक्षा के विस्तार के उद्देश्य से यह राशि दान की है। कुलेन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के डीन प्रदीप शर्मा ने कहा, ''ह्यूस्टन विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र से लेकर उद्योग जगत के नवोन्मेषक और उद्यमी तक मनमोहन कलसी की यात्रा कुलेन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाती है।''

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

दिल्ली पहुंचे एंटोनियो गुटेरेस, भारत के नेतृत्व में ग्लोबल गर्वेन्स रिफॉर्मस् पर बड़ा मंथन

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 से पहले शुक्रवार को नई दिल्ली पहुँचे। शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने महासचिव का स्वागत किया। इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और युगांडा की उपराष्ट्रपति जेसिका अलुपो राष्ट्रीय राजधानी पहुँचे थे। कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने दोनों का स्वागत किया। दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स का सदस्य देश है, जबकि युगांडा 10 साझेदार देशों में से एक है। इस बीच, उरुग्वे के विदेश मंत्री मारियो लुबेटकिन भी नई दिल्ली पहुँच गए हैं। समिट से पहले नाइजीरिया की विदेश मंत्री बियांका ओडुमेग्वु–ओजुकु और फिलीपींस की विदेश मामलों की सचिव मारिया थेरेसा पी. लाज़ारो भी पहुँचीं। 18वें ब्रिक्स समिट से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी नई दिल्ली पहुँच गए हैं। उनके पहुँचने पर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने पुतिन का स्वागत किया। सुबह जल्दी पहुँचने वाले रूस के अन्य प्रमुख प्रतिनिधियों में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और रूस के पहले उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव शामिल थे। एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक की अध्यक्ष जू जियायी भी 18वें ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए पहुँचीं। भारत अपनी 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत 12–13 सितंबर को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स समिट की मेज़बानी कर रहा है। भारत की अध्यक्षता लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण थीम पर आधारित है, जिसमें विकास, स्थिरता और नवाचार मुख्य फोकस क्षेत्र हैं। ब्रिक्स प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल और बहुपक्षीय संस्थानों में ग्लोबल साउथ के हितों को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। इसके एजेंडे में विकास, वित्त, प्रौद्योगिकी, व्यापार और लोगों के बीच आपसी आदान–प्रदान शामिल हैं। इस समूह में वर्तमान में 11 देश शामिल हैं, यानी ब्राज़ील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और UAEA भारत की 2026 की अध्यक्षता से जुड़ी जानकारी के अनुसार, BRICS सदस्य देश मिलकर दुनिया की कुल आबादी का लगभग 49.5 प्रतिशत, ग्लोबल GDP का 40 प्रतिशत और ग्लोबल व्यापार का 26 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। भारत की BRICS अध्यक्षता ऐसे समय में हो रही है जब दुनिया आर्थिक बंटवारे, तकनीकी बदलावों, भू–राजनीतिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों पर दबाव जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। यह बढ़ा हुआ समूह विकास, जलवायु से जुड़े कदमों, टेक्नोलॉजी, ऊर्जा और वित्तीय मजबूती के मामलों में सहयोग के लिए एक मंच देता है, साथ ही ग्लोबल संस्थाओं में सुधारों पर होने वाली चर्चाओं में भी योगदान देता है।

डॉलर पर निर्भरता कम करनी होगी...तेहरान से भारत के लिए निकलते पेजिश्कियान ने ट्रंप को चिढ़ाने वाला बयान दे दिया

ब्रिक्स और एससीओ जैसे मल्टीलेटरल संगठनों में ईरान के साथ मिलकर काम करने की भारत की तत्परता को दोहराते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के साथ द्विपक्षीय व्यापार के रास्तों को ष्बढ़ाने और उनमें विविधता लानेष् के लिए नई दिल्ली के संकल्प को जाहिर किया। साथ ही, उन्होंने कई क्षेत्रों में ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। इससे पहले, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई

ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि तेहरान नई दिल्ली के साथ अपने पुराने संबंधों को कितनी अहमियत देता है। बिश्केक, किर्गिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन समिट के दौरान राष्ट्रपति पेज़ेशकियन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हाल ही में हुई द्विपक्षीय बातचीत का ज़िक्र करते हुए, बघाई ने फिर से कहा कि ईरान आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए भारत के साथ कूटनीतिक बातचीत का लाभ उठाने की योजना बना रहा है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन शुक्रवार को ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए तेहरान से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए; वे आज ही प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। रवाना होने से पहले ईरान के राष्ट्रपति ने कहा, ष्ब्रिक्स का मकसद एकतरफावाद का मुकाबला करना है और मौजूदा समिट का नारा भी इसी दायरे में है; हमें उम्मीद है कि हम दिन–ब–दिन इस मकसद के करीब पहुंचेंगे। बेशक, हम जानते हैं कि आर्थिक मुद्दे जटिल हैं और दुनिया में तानाशाही और एकतरफावाद को कम करने के लिए हमें नए तरीकों की ज़रूरत है।ष ैच्छ। के मुताबिक, भारत आने से पहले ब्रिक्स समिट की अहमियत का ज़िक्र करते हुए ईरान के राष्ट्रपति ने कहा, ष्आज़ादी, एकजुटता, स्थिरता, प्रतिरोध और इनोवेशन इस समिट के नारे हैं और इस समिट में आर्थिक, वित्तीय, औद्योगिक और व्यापारिक मुद्दों पर चर्चा होगी। ब्रिक्स ढांचे के भीतर एक विशेष बैंक का गठन किया गया है, और हम देशों से निवेश देखने जा रहे हैं ताकि देशों और सदस्यों के बीच डॉलर पर निर्भरता के बिना बातचीत हो सके, जिससे डॉलर के साथ अमेरिका के अधिनायकवाद को कम किया जा सके।श्श ईरानी राष्ट्रपति, जिन्होंने पहले बिखशेक में एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर पीएम मोदी से मुलाकात की थी, शुक्रवार को बाद में होने वाले द्विपक्षीय कार्यक्रम के साथ अपनी व्यस्तताओं को जारी रखेंगे। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान और भारत के बीच दीर्घकालिक संबंध हैं और वे अपनी समानताओं का विस्तार कर सकते हैं। इस शिखर सम्मेलन में चीन, रूस, ब्राजील, भारत और अन्य देशों के अधिकारियों सहित विभिन्न अधिकारियों से मिलने और चर्चा करने का एक अच्छा अवसर है।ष इससे पहले, बिकशेक में अपनी बैठक के दौरान प्रधान मंत्री ने क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही शांति और स्थिरता के सभी प्रयासों के लिए भारत के समर्थन को दोहराया था।

द्विपक्षीय वार्ता के लिए क्मसीप पहुचे पेज़ेशकियान, ब्रिक्स मंच से दुनिया को देंगे बड़ा संदेश

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 में भाग लेने के लिए शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे; वह दिन में बाद में पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। तेहरान से रवाना होने से पहले ईरानी राष्ट्रपति ने कहा ब्रिक्स का लक्ष्य एकपक्षवाद का सामना करना है, और

के भीतर है, और हम दिन–ब–दिन इस लक्ष्य हम जानते हैं कि आर्थिक मुद्दे जटिल हैं और को कम करने के लिए नए दृष्टिकोण की शिखर सम्मेलन में आर्थिक, वित्तीय, औद्योगिक कहा ठत्प्ै के तहत एक खास बैंक बनाया गया ताकि सदस्य देश डॉलर पर निर्भर हुए बिना डॉलर के मामले में अमेरिका की मनमानी को पहले बिश्केक में ब्द समिट के दौरान च्ड मोदी द्विपक्षीय बैठक के साथ अपनी बातचीत जारी ईरान और भारत के बीच लंबे समय से संबंध रहे हैं और वे अपनी साझा खूबियों को और बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा, इस समिट में हमारी मौजूदगी चीन, रूस, ब्राज़ील, भारत और अन्य देशों के अधिकारियों से मिलने और बातचीत करने का एक अच्छा मौका है। वर्तमान शिखर सम्मेलन का नारा भी इसी ढांचे के करीब पहुंचने की उम्मीद करते हैं। बेशक, हमें दुनिया में अधिनायकवाद और एकपक्षवाद आवश्यकता है।ष शिखर सम्मेलन, और इस और व्यापार मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने है और हम अलग–अलग देशों से निवेश देखेंगे, आपस में लेन–देन कर सकें और इस तरह कम किया जा सके।ष ईरान के राष्ट्रपति, जो से मिल चुके हैं, शुक्रवार को बाद में होने वाली रखेंगे। राष्ट्रपति ने इस बात पर ज़ोर दिया कि

नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा 1385 तक पहुंचा, 5000 से अधिक लापता लोगों की तलाश जारी

काठमांडू। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 1,385 हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रभावित जिलों से और शव बरामद किए गए हैं, जबकि 5,000 से अधिक लापता लोगों की तलाश और बचाव अभियान जारी है। नेपाल–तिब्बत सीमा के पास 26 अगस्त को हिमस्खलन के कारण अचानक आयी बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों तथा गांवों में भारी तबाही मचाई। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के अनुसार, चितवन जिले से कम से कम 364 शव, पूर्वी नवलपरासी से 228, पश्चिमी नवलपरासी से 222 और नुवाकोट से 199 शव बरामद किए गए हैं। इसी तरह, रसुवा से 185, गोरखा से 77, धाडिंग से 70 और तनहूं से 38 शव बरामद किए गए हैं। एनडीआरआरएमए के अनुसार, बाढ़ के दो पीड़ितों की काठमांडू में इलाज के दौरान मौत हो गई। सुरक्षा कर्मियों की संयुक्त कमांड ने लापता लोगों की तलाश और बचाव अभियान जारी रखा है। लापता लोगों की अनुमानित संख्या 5,130 है। अब तक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 13,676 लोगों को बचाया जा चुका है। राइजिंग नेपाल अखबार की खबर के अनुसार, बाढ़ के बाद चीन में फंसे कम से कम 703 नेपाली नागरिक सिंधुपलचोक के तातोपानी सीमा चौकी के रास्ते अपने देश लौट आए हैं। ये सभी लोग विनाशकारी बाढ़ से पहले काम के सिलसिले में चीन में रह रहे थे। आपदा के कारण केरुंग और रसुवा जिलों में भारी जान–माल के नुकसान के बाद वे केरुंग और तातोपानी सीमा मार्गों से अपने घर लौट आए। जिला प्रशासन कार्यालय, सिंधुपलचोक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, स्वदेश लौटने वाले 703 लोगों में 205 महिलाएं और 498 पुरुष शामिल हैं। हिमस्खलन के बाद हिमालयी सीमावर्ती क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी बाढ़ के पानी को अपने साथ नीचे ले आई जिससे घर, वाहन, सड़कें और पुल बह गए तथा जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। चीनी मीडिया की खबरों के अनुसार, इस आपदा में चीन की ओर भी कम से कम 43 लोगों की मौत हुई है जबकि तिब्बत में 500 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

24 घंटे 32 स्ट्राइक, सऊदी और हूतियों में भयानक युद्ध छिड़ा

हूतियों ने सऊदी के तेल ठिकानों पर मिसाइलें दागी। सऊदी ने जवाब में यमन के अंदर बम बरसाए। लेकिन अब सवाल सिर्फ हमले का नहीं है। सवाल है अगली मिसाइल का। क्योंकि अगर होती फिर सऊदी के तेल ठिकानों पर हमले करते हैं तो क्या रियाद सिर्फ जवाब देगा? या इस बार हूती के ठिकानों को जड़ से मिटाने का ऑपरेशन शुरू होगा? अगर सऊदी ने हमला बढ़ाया तो क्या होती लाल सागर को युद्ध का अगला मोर्चा बना देंगे? एक तरफ सऊदी, दूसरी तरफ होती और बीच में यमन। लेकिन इसके पीछे खड़ा है पूरा मिडिल ईस्ट, ईरान का प्रभाव। लाल सागर का रास्ता बाब अल मनदेव और दुनिया की तेल सप्लाई। तो क्या यह सिर्फ बदले की 32 एयर स्ट्राइक हैं? या फिर यमन में एक ऐसा युद्ध शुरू होने वाला है जिसकी आग सऊदी से निकल कर पूरे मिडिल ईस्ट और दुनिया के तेल बाजार तक पहुंच सकती है। यमन में आसमान से आग बरस रही है। सऊदी अरब ने हतियों के हमले का ऐसा जवाब दिया है कि अब पूरा मिडिल ईस्ट एक और बड़े युद्ध की तरफ बढ़ता दिखाई दे रहा है। दावा है कि सिर्फ 24 घंटे में यमन के चार प्रांतों में 32 एयर स्ट्राइक मारिव, अल्जोफ, ताइफ़, होदईदा एक के बाद एक ठिकाने निशाने पर सवाल सीधा है। क्या सऊदी ने अब होतियों के खिलाफ खुली जंग का ऐलान कर दिया है? क्या होतियों के एक हमले ने सऊदी की युद्ध रणनीति ही बदल दी है?

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।